राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार,२२अप्रैल २०२१ वर्ष-४, अंक -८८ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लापरवाही का लीकेज

नासिक में बड़ा हादसा: सरकारी अस्पताल में ऑक्सीजन टैंक लीक होने से सप्लाई 30 मिनट रुकी रही, 22 मरीजों की मौत, 35 की हालत नाजुक

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक में बुधवार को सरकारी अस्पताल में बड़ा हादसा हो गया। नगर निगम के जाकिर हुसैन अस्पताल में ऑक्सीजन टैंक लीक हो गया। इसे रिपेयर करने में 30 मिनट का वक्त लगा और इतनी देर ऑक्सीजन सप्लाई रोक दी गई। इसके चलते 22 मरीजों की मौत हो गई और 35 की हालत अभी नाजुक है। मौतों की पुष्टि नासिक के जिलाधिकारी सूरज मांढरे ने की है।

अस्पताल में 238 मरीज ऑक्सीजन सपोर्ट पर-जिस वक्त ऑक्सीजन सप्लाई रोकी गई, उस वक्त 171 मरीज ऑक्सीजन पर और 67 मरीज वेंटीलेटर पर थे। ऑक्सीजन सप्लाई रुकने से अस्पताल में अफरातफरी का माहौल बन गया।

जानकारी के मुताबिक, टैंक से आने

वाले सप्लाई पाइप में लीकेज हुआ था। अभी इसे सुधार दिया गया है। इस लीकेज के दौरान 20 किलो लिक्विड ऑक्सीजन बर्बाद हुई। फिलहाल हॉस्पिटल के साथ जिला प्रशासन ने भी इस लीकेज की जांच शुरू कर दी है।

हादसे पर पीएम मोदी ने दुख जताया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अस्पताल में ऑक्सीजन सप्लाई रुकने से मरीजों की जान जाने पर दुख जाहिर किया। उन्होंने पीड़ित परिवारों से संवेदना जताई।

गृह मंत्री ने दुख जताया

हादसे पर गृह मंत्री अमित शाह ने संवेदना जाहिर की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, 'नासिक के एक अस्पताल में ऑक्सीजन लीक होने से हुई दुर्घटना का समाचार सुन दुखी हूं। इस हादसे में जिन लोगों ने अपनों को खोया है, उनकी इस अपूरणीय क्षति पर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। बाकी सभी मरीजों की कुशलता के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूं।'

परिजन बोले- 30 मिनट नहीं, 2 घंटे बंद रही ऑक्सीजन सप्लाई; आंखों के सामने तड़पकर दम तोड़ते रहे मरीज

अस्पताल प्रशासन का कहना है कि ऑक्सीजन टैंकर में लीक की गड़बड़ी सुधारने के लिए 30 मिनट सप्लाई रोकी गई थी, लेकिन परिजनों का कहना है कि सप्लाई 30 मिनट नहीं, बल्कि 2 घंटे तक बंद थी। एक परिजन ने कहा कि मेरी बहू ने आंखों के सामने तड़प-तड़पकर दम तोड़ दिया, लेकिन अस्पताल वालों ने कुछ नहीं किया। हादसे में जान गंवाने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि हमने हमारे परिवार का सदस्य खो दिया। कौन जवाबदेही लेगा इसकी? दोपहर 12:30 बजे के करीब अचानक ऑक्सीजन आनी बंद हो गई और मेरा भाई तड़प-तड़पकर मर गया। उसे 10 दिन पहले भर्ती किया गया था। 2 घंटे तक ऑक्सीजन बंद रही। ऑक्सीजन सिलेंडर नहीं था। अगर सिलेंडर होता तो भी मेरे भाई की जान बच सकती थी। कुछ परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि अस्पताल के पास कल रात से ही ऑक्सीजन की कमी थी। जब आज ऑक्सीजन सप्लाई बंद हो गई, तब भी हमने ही ड्यूटी पर मौजूद मेडिकल स्टाफ को बताया। उन्होंने हमें ही नीचे चेक करने के लिए भेज दिया। नीचे आए तो डॉक्टरों ने हमें दोबारा ऊपर भेज दिया। पूरे अस्पताल में हम भटकते रहे।

भारत के वायु सेना प्रमुख आरकेएस भदौरिया ने की फ्रांस के वायु सेना प्रमुख से बातचीत

नई दिल्ली। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया ने मंगलवार को फ्रांस एयर एंड स्पेस फोर्स (एफएएसएफ) के प्रमुख जनरल फिलिप्प लावीग्ने से बातचीत की और दोनों पक्षों के बीच सहयोग को और आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। एयर चीफ मार्शल भदौरिया सोमवार से फ्रांस की पांच दिवसीय यात्रा पर हैं।भारतीय वायु सेना ने कहा कि जनरल लावीग्ने और एयर चीफ मार्शल भदौरिया ने बातचीत के दौरान दोनों बलों के बीच अभियानगत सहयोग के तेजी से बढ़ने की बात को स्वीकार किया और सहयोग को और आगे बढ़ाने के तरीकों पर विचार- विमर्श किया।वायु सेना ने ट्वीट किया, एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया ने आर्मी डि लाएर मुख्यालय पहुंच कर जनरल फिलिप्प से मुलाकात की और दोनों देशों की वायु सेनाओं के बीच साझा मुद्दों पर चर्चा की। दोनों प्रमुखों ने तेजी से बढ़ते अभियानगत सहयोग को स्वीकार किया और आपसी संबंधों को बढ़ाने पर चर्चा की। वायु सेना प्रमुख आरकेएस भदौरिया सोमवार को फ्रांस के दौरे पर रवाना हुए थे। उनकी यात्रा को आपसी सहयोग बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस बात की संभावना है कि एयर चीफ मार्शल भदौरिया अपनी यात्रा के दौरान फ्रांस के बोरडाक्स स्थित मेरीनैक एयर बेस पर पांच-छह राफेल विमानों के बेड़े को हरी झंडी दिखाएंगे। सूत्रों ने बताया कि राफेल विमान की निर्माता कंपनी दासौ एविएशन की योजना अप्रैल के आखिर तक छह लड़ाकू विमान भारत भेजने की है। लड़ाकू विमानों की नई खेप आने से वायु सेना को राफेल का दूसरा स्क्वाड्रन तैनात करने में मदद मिलेगी। राफेल के दूसरे स्क्वाड्रन को बंगाल के हासिमारा एयर बेस में तैनात किया जाएगा। राफेल के पहले स्क्वाड्रन को अंबाला एयर फोर्स स्टेशन पर तैनात किया गया था। ायु सेना ने एक बयान जारी कर कहा कि एयर चीफ मार्शल भदौरिया 19-23 अप्रैल तक फ्रांस की यात्रा पर रहेंगे।

जजों की कमी से हाईकोर्ट में संकट का दौर, केंद्र जल्द करे नियुक्तियां-सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्च न्यायालयों में जजों की बढ़ती रिक्तियों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को जोर दिया कि सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम द्वारा नामों को मंजूरी देने के तुरंत बाद केंद्र सरकार को नियुक्तियां करने के लिए आगे बढ़ना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट संकट के दौर में हैं और इनमें 40 फीसदी रिक्तियां बनी हुई हैं सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि सरकार को कॉलेजियम की सिफारिशों पर कोई आपत्ति है, तो उसे आपत्ति के विशिष्ट कारणों के साथ नामों को वापस भेजना चाहिए। एक बार सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने नामों को दोहराया है तो केंद्र को तीन से चार हफ्ते के अंदर नियुक्ति करनी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि आईबी को उच्च न्यायालय कॉलेजियम की सिफारिश की तारीख से 4 से 6 सप्ताह में अपनी रिपोर्ट / इनपुट केंद्र सरकार को सौंपने चाहिए। यह उचित होगा कि केंद्र सरकार राज्य सरकार से विचारों की प्राप्ति की तारीख और आईबी से रिपोर्ट / इनपुट से आठ से 12 सप्ताह में सुप्रीम कोर्ट में फाईलों को भेजे। इसके बाद सरकार के लिए यह सही होगा कि इन पर तुरंत नियुक्ति करने के लिए आगे बढ़े और निस्संदेह अगर सरकार के पास उपयुक्तता या सार्वजनिक हित में कोई आपत्ति है, तो इसी समय की अवधि के भीतर आपत्ति के विशिष्ट कारणों को दर्ज कर इसे सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के पास वापस भेज सकती है।

20 फीसदी से ज्यादा रिक्तियां होने पर अस्थायी नियुक्तियां करें हाईकोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि यदि हाईकोर्ट में 20 फीसदी से ज्यादा रिक्तियां है तो पूर्व जजों को अस्थायी रूप से नियुक्त करने के लिए मुख्य न्यायाधीश संविधान के अनुच्छेद 224ए के तहत राष्ट्रपति से आग्रह कर सकते हैं। मुख्य न्यायाधीश एसए बोबडे की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ ने यह व्यवस्था लोकप्रहरी की जनहित याचिका पर मंगलवार को दी। पीठ ने कहा कि अनुच्छेद 224ए का सहारा लेना उचित नहीं है क्योंकि अस्थायी नियुक्तियां स्थायी नियुक्तियों का विकल्प नहीं हो सकती। इसलिए बेहतर होगा कि हाईकोर्ट अनुच्छेद 224 ए के तहत नियुक्तियां तभी शुरू करें जब वे स्थायी नियुक्तियों के लिए प्रक्रिया शुरू कर चुके हों।

लॉकडाउन में श्रमिकों को 5-5 हजार रुपये की मदद देगी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण के मद्देनजर राजधानी में लगाए गए लॉकडाउन के दौरान दिल्ली सरकार प्रवासी, दिहाड़ी और निर्माण कार्य लगे मजदूरों के रहने, खाने और उनके अन्य जरूरतों को पूरा करेगी। इस बारे में मंगलवार को दिल्ली सरकार ने हाईकोर्ट में हलफनामा दाखिल किया है। सरकार ने न्यायालय को बताया है कि इसके अलावा पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को 5-5 हजार रुपये की वित्तीय सहायता भी दी जाएगी।

जस्टिस विपिन सांघी और रेखा पल्ली की पीठ के समक्ष दाखिल हलफनामे में सरकार नहा है कि वह श्रमिकों की जरूरतों को पूरा करने और उनके कल्याण के जरूरी कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार ने पीठ को बताया कि लॉकडाउन में श्रमिकों के रहने, खाने-पीने, कपड़े व दवा इत्यादि की व्यवस्था के लिए जरूरी कदम उठाए गए हैं। सरकार ने न्यायालय को बताया है कि प्रधान सचिव (गृह) की अगुवाई में एक समिति का गठन किया है जो श्रमिकों के सभी जरूरतों के लिए

● सरकार ने कहा है कि पिछले सा पंजीकृत श्रमिकों की संख्या करीब 55 हजार थी और एक वर्ष में विशेष कैंप लगाकर पंजीकरण को आगे बढ़ाया गया है

काम करेंगे। हाईकोर्ट ने सोमवार को राजधानी में एक सप्ताह के लिए लॉकडाउन लगाए जाने के बाद प्रवासी मजदूरों के पलायन पर सरकार से जवाब मांगा था।

सरकार ने अपनी रिपोर्ट पेश करते हुए कहा है कि रिपोर्ट में सरकार ने श्रमिकों की भलाई के लिए समुचित कदम उठाने का दावा किया है। श्रमिकों के कल्याण के लिए प्रधान सचिव(गृह) भूपिन्द्र सिंह भल्ला की अगुवाई में कमटी बनाई गई है जो राज्य के नोडल अधिकारी रहेगें। इसके साथ ही सरकार ने उनकी मदद के लिए पुलिस के विशेष आयुक्त राजेश खुराना को दिल्ली पुलिस की ओर से नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। सरकार ने कहा है कि श्रमिकों को खाना-पीने, दवा, आश्रय, कपड़े जैसी मूलभूत जरूरतों के अलावा यह भी सुनिश्चित किया गया है कि निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों को कार्यस्थल पर ही ये सभी सुविधाएं मुहैया कराए जाएं।

सरकार ने कहा है कि पिछले सा पंजीकृत श्रमिकों की संख्या करीब 55 हजार थी और एक वर्ष में विशेष कैंप लगाकर पंजीकरण को आगे बढ़ाया गया है मौजूदा समय में एक लाख 71 हजार 861 पंजीकृत निर्माण श्रमिक हैं। पिछले साल सभी मजदूरों को लॉकडाउन में दो बार में पांच-पांच हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी गई थी। सरकार ने कहा है कि इस साल भी 20 अप्रैल-2021 से फिर से पांच हजार रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

चार गुणा बढ़ाई गई केंद्र संचालित अस्पतालों में कोरोना बिस्तरों की संख्या, रेलवे भी कर रहा मदद

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली में केंद्र सरकार द्वारा संचालित अस्पतालों में कोरोना रोगियों के लिए बिस्तरों की संख्या एक मार्च को 510 थी, जो अब चार गुणा बढ़कर 2,105 हो गई है। मंत्रालय ने कहा कि इन 2,105 बिस्तरों में से 1,875 आक्सीजन युक्त और 230 आइसीयू बिस्तर हैं। जिन अस्पतालों में ये बिस्तर उपलब्ध हैं उनमें सफदरजंग, राम मनोहर लोहिया, लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज, एम्स-दिल्ली, एम्स-झज्जर, ईएसआइसी ओखला तथा झिलमिल और सरिता विहार

स्थित अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान शामिल हैं।

मंत्रालय ने कहा कि वह केंद्र संचालित अस्पतालों में कोरोना मरीजों की खातिर बिस्तरों की संख्या बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। इसके अलावा वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद की मदद से क्षेत्रीय अस्पतालों और अस्थायी चिकित्सा केंद्रों का निर्माण किया जा रहा है। धौलाकुआं में डीआरडीओ की मदद से 250 आइसीयू बेड का संचालन 19 अप्रैल को शुरू हो गया था। भारतीय रेलवे शकूर बस्ती स्टेशन पर कोरोना मरीजों के लिए 50 कोच देने जा रहा है, हर एक कोच में 16 बेड लगे हुए हैं। इसका उपयोग दिल्ली सरकार द्वारा आइसोलेशन सुविधाओं के रूप में किया जा सकता है। इसके अलावा रेलवे आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर 21 अप्रैल तक ट्रेन के 25 कोच उपलब्ध कराएगा, जिसमें कोरोना मरीजों के लिए 16 बेड होंगे।

रेमडेसिविर और इंजेक्शन की किल्लत होगी दूर, भारत ने आयात शुल्क हटाया

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के कहर के बीच रेमडेसिविर को लेकर पूरे देश में हाहाकार मचा हुआ है। कोरोना केस बढ़ने से इसकी मांग में इतनी तेजी आई है कि चारों तरफ इसकी किल्लत होने लगी है। इस बीच केंद्र सरकार ने एक राहत भरा फैसला लिया है। देश ने एंटी-वायरल दवा रेमेडिसिविर पर आयात शुल्क हटा दिया है। जिसका उपयोग वर्तमान में कोविड -19 रोगियों के इलाज के लिए किया जाता है। मंगलवार देर रात जारी एक अधिसूचना में दवा के निर्माण के लिए इस्तेमाल होने वाली दवा सामग्री के आयात पर शुल्क को हटा दिया। यह कदम घरेलू उपलब्धता को बढ़ाने और इंजेक्शन की लागत को कम करने में

मदद करेगा। साथ ही सरकार के इस कदम से न सिर्फ इसकी किल्लत दूर होगी, बल्कि कीमत भी कम होगी। सरकार ने रेमडेसिविर, उसके कच्चे माल और एंटीवायरल दवा बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले अन्य घटकों पर सीमा शुल्क माफ कर दिया। राजस्व विभाग की ओर से जारी बयान में कहा गया कि केंद्र सरकार ने जिन वस्तुओं पर शुल्क माफ किया गया है, उनमें रेमेडिसविर के निर्माण में उपयोग किए जाने वाले सक्रिय फार्मास्युटिकल सामग्री (एपीआई), रेमेडिसविर इंजेक्शन और बीटा साइक्लोडेक्स्ट्रिन शामिल हैं। आयात शुल्क में यह छूट 31 अक्टूबर तक लागू रहेगी। वहीं, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने ट्वीट कर बताया है कि कोरोना के इलाज में कारगर मानी जा रहे रेमडेसिविर इंजेक्शन को बनाने में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल के आयात पर कोई शुल्क नहीं वसूला जाएगा। इसके अलावा, रेमडेसिविर इंजेक्शन के आयात को भी ड्यूटी फ्री कर दिया गया है। केंद्र सरकार की इस घोषणा से आने वाले दिनों में देश में ये दवा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होने की उम्मीद की जा सकती है। इस बीच केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि अगले 15 दिनों में एंटी वायरल दवा रेमडेसिवर का उत्पादन दोगुना कर दिया जाएगा। बता दें कि एंटी वायरल दवा रेमडेसिवर को लेकर कई राज्यों से कमी की खबर आ रही है। केंद्रीय मंत्री मांडविया ने अपने ट्विटर हैंडल पर एक वीडियो संदेश में कहा था कि भारत सरकार देश में रेमेडिसविर इंजेक्शन के उत्पादन को बढ़ाने और कम कीमत पर उपलब्ध कराने के सभी प्रयास कर रही है।

वैक्सीन की सप्लाई पर सरकार का फोकस, हर महीने उपलब्ध होंगे 35 से 36 करोड़ टीके

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एक मई से 18 साल से अधिक आयु के सभी लोगों को टीका लगाने की अनुमति प्रदान कर दी है। इसके साथ ही देश में टीके की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के प्रयास भी तेज हो गए हैं। हालांकि, सरकारी सूत्रों का मानना है कि पर्याप्त मात्रा में टीके की उपलब्धता में अभी कम से कम छह महीने का वक्त लग सकता है। तैयारियों को देखते हुए देश में सितंबर-अक्तूबर तक टीकों की प्रतिमाह 35 से 36 करोड़ खुराक उपलब्ध होने की उम्मीद है।

मौजूदा उत्पादन

-अभी देश में सीरम इंस्टीट्यूट और भारत बायोटेक कोविड-19 टीका बना रहे हैं। सीरम इंस्टीट्यूट प्रतिमाह छह से सात करोड़ टीके का उत्पादन कर रहा है, जबकि भारत बायोटेक 90 लाख से एक करोड़ वैक्सीन बना रहा है। इस प्रकार देश में फिलहाल टीके की अधिकतम उपलब्धता आठ करोड़ प्रतिमाह है। मौजूदा उत्पादन क्षमता में प्रतिदिन 25-30 लाख टीके ही रोजाना लग सकते हैं। इस क्षमता का इस्तेमाल भी हो रहा है।

सरकार की रणनीति

-सरकार देशी टीके 'कोवैक्सीन' का उत्पादन बढ़ाने पर विशेष ध्यान दे रही है। जुलाई तक इसका उत्पादन छह से सात करोड़ खुराक प्रतिमाह करने की तैयारी चल रही है। भारत बायोटेक हैदराबाद यूनिट में अपनी क्षमता में इजाफा करने की कोशिशों में जुटी है। वहीं, बेंगलुरु में भी नया उत्पादन शुरू किया जा रहा है। कंपनी ने मंगलवार को बताया कि वह सालाना 70 करोड़ कोविड टीके के उत्पादन की क्षमता विकसित कर रही है।

बिबकोल, आईआईल तीन करोड़ खुराक बनाएंगे

-स्वास्थ्य मंत्रालय ने 'कोवैक्सीन' के उत्पादन की जिम्मेदारी केंद्र सरकार की दो कंपनियों-बिबकोल (बुलंदशहर) और आईआईएल (बेंगलुरु) को सौंपी है। छह महीने के भीतर ये कंपनियां डेढ़-डेढ़ करोड़ खुराक तैयार करने लगेंगी। वहीं, महाराष्ट्र सरकार की यूनिट 'हाफकिन इंस्टीट्यूट' छह महीने के भीतर 'कोवैक्सीन' की दो करोड़ खुराक तैयार करेगी।

'कोविशील्ड' की 11 करोड़ खुराक तैयार होगी

-इस बीच, केंद्र सरकार के अनुरोध पर पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया अगले तीन से चार महीनों में 'कोविशील्ड' टीके की अपनी उत्पादन क्षमता को 11 करोड़ खुराक प्रति माह करने को तैयार है। हालांकि, इसके लिए इंस्टीट्यूट ने सरकार से 3000 करोड़ रुपये की मांग की है, जो उसे टीके की खरीद के लिए पेशगी के रूप में दिए जा सकते हैं।

स्पूतनिक-वी का आयात

-स्वास्थ्य मंत्रालय ने हाल में रेड्डीज लेब्रोटरी को रुसी टीके 'स्पूतनिक-वी' के आपात इस्तेमाल की मंजूरी दे दी है। कंपनी ने इस टीके के आयात की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उसने 25 करोड़ खुराक मंगवाने का फैसला किया है। इस तिमाही में आयात की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। संभावना है कि अगले चार से पांच महीनों में कंपनी के पास कम से कम पांच करोड़ टीके पहुंच जाएंगे।

देश में निर्माण की कोशिशें

-भारत में स्पूतनिक-5 का निर्माण छह कंपनियां करने जा रही हैं। उनका हर साल 85 करोड़ टीके बनाने का लक्ष्य है। हालांकि, कंपनियां कब तक उत्पादन शुरू करेंगी, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है। लेकिन अगले तीन महीनों के भीतर उत्पादन आरंभ हो जाने की उम्मीद है। इन छह कंपनियों से भी अगले छह महीनों के भीतर करीब पांच से छह करोड़ टीके प्रतिमाह मिलने की संभावना है। इस प्रकार अगले छह महीनों के भीतर देश में हर महीने 35 से 36 करोड़ टीकों की उपलब्धता होगी। इससे एक दिन में एक करोड़ से अधिक लोगों का टीकाकरण किया जा सकेगा।

अन्य संभावनाएं

-केंद्र सरकार ने अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोप और जापान में स्वीकृत तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की सूची में शामिल टीकों को भी देश में आपात इस्तेमाल की मंजूरी देने का फैसला किया है। इससे यह संभावना है कि अगले कुछ महीनों के भीतर फाइजर, मॉर्डना, जॉनसन एंड जॉनसन समेत कई कंपनियां अपना टीका भारतीय बाजार में उतार सकती हैं।

विकल्प और भी हैं

-अगर भारत में टीकाकरण अभियान जोर पकड़ता है और सरकार को वैक्सीन की कमी महसूस होती है तो वह कई और सरकारी या निजी दवा कंपनियों को 'कोवैक्सीन' के उत्पादन का लाइसेंस जारी कर सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

संसाधनों की हिफाजत

एक तरफ, जब देश में कोविड-19 के कारण रोजाना 1,500 से अधिक लोगों की जान जाने लगी है; कई राज्यों से टीके के अभाव की शिकायतें सुनने को मिल रही हैं, तब यह उद्घाटन सचमुच हतप्रभ कर देने वाला है कि 11 अप्रैल तक देश में टीके की 44.5 लाख से अधिक खुराकें बरबाद हो गईं। एक आरटीआई के जरिए यह खुलासा हुआ है कि उस दिन तक तकरीबन 23 फीसदी खुराक बेकार हो गई। हैरत की बात है कि ऐसा उन राज्यों में सर्वाधिक हुआ, जो इस वक्त महामारी से हलकान नजर आ रहे हैं। राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार, हरियाणा जैसे प्रदेशों के नाम इस सूची में ऊपर हैं। यह सूचना हमारी विशाल आबादी के लिहाज से भी काफी चिंताजनक है। हम अभी तक अपनी आबादी के एक प्रतिशत से कुछ ही अधिक लोगों का पूर्ण टीकाकरण कर सके हैं, जबकि अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देश क्रमशः 25 व 15 फीसदी से आगे बढ़ चले हैं। इसमें कोई दोराय नहीं कि किसी भी उत्पाद की वितरण-प्रणाली में कतिपय कमियों के कारण कुछ हद तक नुकसान की आशंका रहती है। अमेरिका में भी पहले चरण के टीकाकरण अभियान में नुकसान हुए थे, लेकिन हम इस बात को नजरअंदाज नहीं कर सकते कि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की कुल आबादी हमारी जनसंख्या की एक चौथाई के करीब है। हमारे लिए हानि की यह मात्रा इसलिए ज्यादा चुभने वाली है कि हमें महामारी से जंग में लंबी दूरी तय करनी है। अपने संसाधनों का इस्तेमाल हमें काफी किफायत से करने की जरूरत है। तब तो और, जब देश के कई अस्पतालों से ऑक्सीजन न मिलने के कारण कोविड मरीजों के दम तोड़ने की खबर सुर्खियों में हों। यहां तक कि हाईकोर्ट को कहना पड़ रहा है कि 'उद्योग ऑक्सीजन का इंतजार कर सकते हैं, पर कोविड मरीज नहीं।' केंद्र सरकार ने उचित ही नौ औद्योगिक क्षेत्रों में ऑक्सीजन-आपूर्ति की सीमा तय कर शेष को चिकित्सा उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करने का निर्देश दिया है। कोविड-19 से संघर्ष में इस वक्त हम जिस मोड़ पर खड़े हैं, उसमें अब किसी कोताही के लिए कोई जगह नहीं है, बल्कि वह जनता ही नहीं, पूरी मानवता के प्रति आपराधिक लापरवाही कहलाएगी। देश में टीकाकरण अभियान की शुरुआत से पहले बाकायदा कई अभ्यास किए गए थे, इसका प्रोटोकॉल तय हुआ था, उसके बावजूद यदि यह स्थिति है, तो हमें अपने निगरानी तंत्र पर गौर करने और बगैर वक्त गंवाए उसे दुरुस्त करने की दरकार है। राज्य सरकारों को भी अपनी कार्यशैली पर ध्यान देने की जरूरत है। आखिर अनेक राज्यों, मसलन केरल, पश्चिम बंगाल, हिमाचल, मिजोरम, गोवा ने नजीर पेश की ही है। इन राज्यों में कोई खुराक बरबाद नहीं हुई। केंद्र-राज्यों में तकरार और गिले-शिकवे संघीय लोकतंत्र का अनिवार्य हिस्सा हैं, मगर कुछ विषय इससे परे होते हैं और इसके लिए बड़प्पन की मांग सभी पक्षों से की जाती है। देश के नागरिक इस समय तकलीफ में हैं, तो ऐसा कुछ भी नहीं होना चाहिए, जिससे उनकी पीड़ा दोहरी हो जाए। लोग गम जज्ब कर लेते हैं, अगर उन्हें यह दिखता है कि मददगारों ने अपने तईं ईमानदार कोशिश की थी। इसलिए जीवन रक्षक संसाधनों की बर्बादी, कालाबाजारी को केंद्र और राज्यों को हर हाल में रोकना ही होगा।

आज के ट्वीट

वैक्सीन

कांग्रेस पार्टी और राज्यों द्वारा लगातार मांग करने के बाद केन्द्र सरकार ने 18 वर्ष से अधिक आयु वाले लोगों के वैक्सीनेशन का फैसला किया है जिसका हम स्वागत करते हैं। केन्द्र सरकार को 18 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं को भी फ्री वैक्सीन लगाने की घोषणा करनी चाहिए। -- मु. अशोक गहलोत

जनता के प्रति सत्ताधारियों की संवेदनहीनता

गुरबचन जगत

मौजूदा महामारी ने हमें आसन्न संकट का अहसास करवा दिया है। समझदार मुल्क वैज्ञानिक दृष्टिकोण से इससे लड़ रहे हैं और राष्ट्रीय समन्वित कौशल एवं प्रयास के साथ संघर्षरत हैं। अधिकांश देशों ने वायरस का अनियंत्रित संक्रमण रोका है और सामान्य स्थिति की ओर बढ़ रहे हैं। जबकि हमारा देश, जिसने हाल ही में कोरोना पर विजय पाने का दावा किया, संक्रमण की दूसरी लहर से जूझ रहा है। हमारे सीमित संसाधन अभी से कम पड़ने लगे हैं। पिछले साल मनमर्जी कर हमारे नेताओं ने बिना वक्त दिए सख्त लॉकडाउन लगाते समय उन करोड़ों लोगों के बारे में नहीं सोचा जो इसकी वजह से या तो बेरोजगार होने वाले थे या उन्हें पुश्तैनी घर पहुंचने के लिए सैकड़ों किलोमीटर पैदल चलना पड़ा था। इस त्रासदी की कहानियां भावी पीढ़ियों में सुनी-सुनाई जाएंगी। छोटे कामधंधों और स्वरोजगार में लगे लाखों लोग कंक्रीट के जंगलों के शहर में दूसरों के रहमो-करम पर जीने को मजबूर हुए, जहां उन्हें सरकार की ओर से कुछ मिला तो वह था 'सर्वाइवल ऑफ फिटेस्ट' यानी ताकतवर ही बचेगा, का ढंग अपनाने की मजबूरी। अब जब महामारी की दूसरी लहर की दस्तक है तो हमारे नेता हमें फिर से घरों में कैद कर देंगे। एक कहावत है 'तूफान आता है तो पक्के घर की बनिस्पत झोपड़ियां उड़ा ले जाता है।' क्या राजनेताओं के लिए हम खिलौना नहीं हैं, जब वे चुनावी रैलियों, उत्सवों और तीर्थों पर आयोजनों में लाखों की भीड़ इकट्ठा होने दे रहे हैं? क्या उस वक्त नेतागण हमसे खेल नहीं रहे होते जब आधुनिक युग के ग्लैडिएटर्स रूपी क्रिकेटरों को भिड़ाकर ठीक वैसा तमाशा रचा रहे हैं, जैसा कभी रोमन 'कॉलोशिएम' में करवाया जाता था? क्या 'खुदा' बन बैठे लोग हमारे जीवन से खिलवाड़ नहीं करते, जब आमजन की बारी काम-दिहाड़ी पर जाने की आए तो उन्हें अलग नियमों और कर्फ्यू जैसे प्रतिबंध से घरों तक सीमित कर देते हैं। यदि कोविड-19 की दूसरी लहर का पूर्वानुमान लगाने वाली दूरदृष्टि वाली सरकार होती तो पहले अनुभव से सीखकर तैयारी करके रखती। यदि हम पिछले सालों के बजटीय प्रावधानों को देखें तो पाते हैं कि स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए रखे जाने वाले बजट को तरजीह कम ही है। मौजूदा परिप्रेक्ष्य में, केंद्र और राज्य सरकारों को, पहली लहर के घटने पर हाथ में आए समय का सदुपयोग करते हुए तेजी से स्वास्थ्य तंत्र का विकास करना चाहिए था। यदि चीन दो-तीन हफ्तों में केवल कोविड-19 के काम आने वाला बहुमंजिला अस्पताल बना सकता है तो कोई वजह नहीं कि हम न कर पाएं। महामारी से निपटने हेतु कारगर स्वास्थ्य तंत्र बनाया जाना चाहिए था। नये अस्पतालों को यथेष्ट मात्रा में बिस्तर, आईसीयू वार्ड, वेंटीलेटर, ऑक्सीजन इत्यादि से सुसज्जित किया जाता। राजनीतिक नेतृत्व, अफसरशाही और व्यावसायिक विशेषज्ञों को मिलाकर उच्चस्तरीय समिति बनाई जानी चाहिए थी। इसे एक समयबद्ध राष्ट्रीय रणनीति बनाने का काम सौंपा जाता ताकि देशव्यापी और राज्यस्तरीय योजनाएं बनतीं और इनके क्रियान्वयन को संसाधन जुटाए जा सकते, क्योंकि तय था कि कोविड-19 की दूसरी लहर आएगी। अगर यह युद्धस्तर पर किया जाता और क्रियान्वयन पर पैनी नजर होती तो आज हम बेहतर स्थिति में होते। जबकि हमारा स्वास्थ्य ढांचा नये मामलों से चरमराने लगा है (चाहे यह कमी बिस्तरों की हो या वेंटीलेटर, ऑक्सीजन, दवाओं इत्यादि की), और सरकारें हैं कि उन्हें अपने लॉकडाउन रूपी पहले व आखिरी अमोघ हथियार पर ही भरोसा है। विकसित देश कुछ चूक के बाद कोविड रोकथाम पर त्वरित प्रतिक्रिया करने लगे थे। उन्होंने नागरिकों को जानी-वित्तीय नुकसान से बचाने को सही ढंग से क्रियान्वित योजनाएं सिरे चढ़ाने हेतु खजाना खोल दिया। अरबों डॉलर लगाकर यूके, कनाडा और अमेरिका ने नागरिकों को महामारी जनित वित्तीय मुश्किलों से राहत देने और जान बचाने को जन-टीकाकरण अभियान चलाये ...।

गिनाने बैठें तो उक्त उपायों की सूची बहुत लंबी हो जाएगी। जबकि वैक्सीन बनाने हेतु हमारे देश में दुनियाभर में सबसे अधिक क्षमता उपलब्ध है, लेकिन हमने इसका क्या लाभ उठाया है? क्यों हम वैक्सीन दान में देने में लगे जबकि हमारी बड़ी आबादी टीके से महरूम है या इसको लगवाने की जरूरत से अनजान है। या फिर यह मानने को तैयार नहीं है कि कोविड-19 नामक कोई महामारी है या फिर टीका लगवाने में बहुत ज्यादा डरी हुई है। क्यों हम हाथ आए उस बहुमूल्य समय को गंवाने पर तुले रहे जो कुछ महीने पहले मिला था। हमने न तो माकूल तंत्र विकसित किया, न ही इस मुसीबत के बचने को पर्याप्त ज्ञान संचित किया। हमारे पास कोरोना पर विजय पाने और जीडीपी विकास दर का फिर से दहाई का आंकड़ा छू लेने से बनी खुमारी से बाहर निकलने की फुर्सत जो नहीं थी। अब जबकि दूसरी लहर सुरसा की तरह मुंह बाए सामने आन खड़ी हुई है तो सरकार के पास एकमात्र उपाय है, सबको फिर से घरों में कैद कर दो। आखिर क्यों आसन्न संकट के मद्देनजर स्थिति से निपटने को क्यों समय रहते कोई तार्किक-युक्तिसंगत कदम नहीं उठाए गए? क्या संसाधन नहीं हैं? दरअसल, ऐसा करने को सत्ताधीशों की वैसी प्राथमिकता दिखती ही नहीं जैसी वे चुनावों को देते हैं, चुनाव लड़ते समय तो इनके पास तमाम दक्षता और रणनीतिक अक्ल आ जाती है। आज सरकार की पूरी सोच एक चुनाव जीतने वाली सक्षम मशीन में तबदील होने तक की है। चुनावी संग्राम शुरू होते ही सत्ता पक्ष के महारथी गहराई में उतरकर रणनीति बनाने, इसके क्रियान्वयन में पूरी ताकत लगा देते हैं। तब तो इन्हें बखूबी पता होता है कि चुनाव पूर्व माहौल कैसे बनाना है। इस हेतु केंद्र सरकार द्वारा योजनाओं की घोषणा करना, बड़े पैमाने पर प्रचार हेतु पार्टी कार्यकर्ताओं को घर-घर पहुंचाना और योजना-क्रियान्वयन के वास्ते विभिन्न विभागों से दौड़-धूप करवाना इत्यादि उपाय कैसे करने हैं। अंत में, फिर भी बात न बने तो अपने विरोधियों को नाथने हेतु सत्ता का औजार बना दी गई विभिन्न एजेंसियों जैसे कि सीबीआई, आईएनए, ईडी, आईआरएस जैसे डंडे का इस्तेमाल करना। अपने राजनीतिक आकाओं के इशारे पर इन एंजेसियों का 'समन्वित नृत्य' करते देखते ही बनता है, काश सरकार अपनी इस कल्पनाशीलता को सत्ता प्राप्ति की बजाय महामारी से लड़ने में इस्तेमाल करती। चुनाव आयोजित करने से चूंकि केंद्र और राज्य सरकारों का ज्यादा ध्यान चुनावी गतिविधियों की ओर हो जाता है, अतः कोविड महामारी से निपटने की ओर ध्यान देने का समय बहुत कम बचता है। वहीं राज्य सरकारों के पास न तो धन है, न ही वैक्सीन का अख्तियार था। सभी कुछ केंद्र सरकार के हाथों में केंद्रित है और वह जिसे चाहे, उसे ही नवाज़ती है- पारदर्शिता के अभाव में कयास ही लगाया जा सकता है कि वास्तव में योजना है क्या, विपक्ष के शब्दों में कहें तो अधिकांशतः पक्षपात है। यहां सरकार को आईना दिखाए जाने की जरूरत है। वही नदारद है, क्योंकि वह कई अनियमितताओं को बढ़ावा दे रही है, मसलन विशाल राजनीतिक रैलियां, जनसैलाब वाले तीर्थाटन और अनसुलझे रोष-प्रदर्शन, जिनमें कोविड-सुरक्षात्मक संहिता का पालन होते शायद ही देखने को मिलता है। इन तमाम आयोजनों को होने देने के बावजूद मीडिया का सरकार की खुलकर आलोचना करने से बचना, जबकि एक अनाड़ी भी बता सकता है कि संक्रमण फैलाने की अत्यधिक संभावना रखने वाले यह आयोजन होने देने का हश्र कितना भयावह निकलेगा। होना तो यह चाहिए था कि मीडिया बाकायदा नाम लेकर उन लोगों को 'मशहूर' करती, जिनकी जिम्मेवारी उक्त आयोजनों को रोकने की थी। आज ज्यादातर चैनलों के विचार-तकरार पैनलों पर पूरी जानकारी रखने वाले पढ़े-लिखे विशेषज्ञ पाना एक दुर्लभ दृश्य है, क्योंकि अधिकतर समय वही गिने-चुने 'हरफनमौला' बुलाए जाते हैं, जो किसी भी विषय पर अपना अधकचरा ज्ञान उड़ेलने लगते हैं। आखिर में, देश का आम नागरिक उच्चतम न्यायपालिका द्वारा ज्यादा सक्रियता दिखाए जाने की उम्मीद कर रहा है। न्यायाधीशों को किसने रोका है कि करोड़ों लोगों की जान पर बन आने वाले आयोजन होने देने पर सरकार की खिंचाई और जवाबतलबी न करें? वे चाहते तो सरकार का उत्तर आने के बाद संज्ञान लेकर परिणाम पाना सुनिश्चित करवा सकते थे। क्या राष्ट्रव्यापी स्वास्थ्य आपदा इनके लिए एक गंभीर आपातकालिक विपदा में नहीं आती? संक्रमण के मामले में भारत पहले ही विश्व में दूसरे स्थान पर है, वह देश जहां दो लाख से ज्यादा लोग कोरोना से मर चुके हों, क्या यह मंजर आपातकाल और प्राथमिकता में गिनने लायक नहीं? यह परिदृश्य अमेरिका जैसे उन देशों से विपरीत है जहां एक सक्रिय और सजग न्यायपालिका अपने निर्णयों से न केवल लोकतंत्र को बचाने में मदद करती है बल्कि महामारी से लड़ाई में सहायक होती भी पाई जाती है। अगर पहले ही उचित योजना और यथेष्ट क्रियान्वयन किया गया होता तो आज महामारी को लेकर हमारी स्थिति भी अलग होती और दूसरी लहर की भयावहता न भुगतनी पड़ती, न ही आर्थिकी में आगे अवनति और बेरोजगारी बढ़ने की संभावना बनती।

लेखक मणिपुर के राज्यपाल, संघ लोकसेवा आयोग के अध्यक्ष एवं जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक रहे हैं।

ज्ञान गंगा

बुद्धि का धर्म

आचार्य रजनीश ओशो/ बुद्ध का धर्म बुद्धि का धर्म कहा गया है। बुद्धि पर उसका आदि तो है, अंत नहीं। शुरुआत बुद्धि से है। प्रारंभ बुद्धि से है। क्योंकि मनुष्य वहा खड़ा है, लेकिन अंत उसका बुद्धि में नहीं है। अंत तो परम अतिक्रमण है, जहां सब विचार खो जाते हैं, सब बुद्धिमत्ता विसर्जित हो जाती है; जहां केवल साक्षी, मात्र साक्षी शेष रह जाता है, लेकिन बुद्ध का प्रभाव उन लोगों में तत्क्षण अनुभव होता है जो सोच-विचार में कुशल हैं। बुद्ध के साथ मनुष्य-जाति का एक नया अध्याय शुरू हुआ। पच्चीस सौ वर्ष पहले बुद्ध ने वह कहा जो आज भी सार्थक 'मालूम पड़ेगा, और जो आने वाली सदियों तक सार्थक रहेगा। बुद्ध ने विश्लेषण दिया, एनालिसिस दी। और जैसा सूक्ष्म विश्लेषण उन्होंने किया, कभी किसी ने न किया था, और फिर दोबारा कोई न कर पाया। उन्होंने जीवन की समस्या के उत्तर शास्त्र से नहीं दिए, विश्लेषण की प्रक्रिया से दिए। बुद्ध धर्म के पहले वैज्ञानिक हैं। उनके साथ श्रद्धा और आस्था की जरूरत नहीं है। उनके साथ तो समझ पर्याप्त है। अगर तुम समझने को राजी हो, तो तुम बुद्ध की नौका में सवार हो जाओगे। अगर श्रद्धा भी आएगी, तो समझ की छाया होगी, लेकिन समझ के पहले श्रद्धा की मांग बुद्ध की नहीं है। बुद्ध यह नहीं कहते कि जो मैं कहता हूं, भरोसा कर लो। बुद्ध कहते हैं, सोचो, विचारों, विश्लेषण करो, खोजो, पाओ अपने अनुभव से, तो भरोसा कर लेना। दुनिया के सारे धर्मो ने भरोसे को पहले रखा है, सिर्फ बुद्ध को छोड़कर। दुनिया के सारे धर्मो में श्रद्धा प्राथमिक है, फिर ही कदम उठेगा। बुद्ध ने कहा, अनुभव प्राथमिक है, श्रद्धा आनुसांगिक है। अनुभव होगा, तो श्रद्धा होगी। अनुभव होगा, तो आस्था होगी। इसलिए बुद्ध कहते हैं, आस्था की कोई जरूरत नहीं है; अनुभव के साथ अपने से आ जाएगी। और तुम्हारी लाई हुई आस्था का मूल्य भी क्या हो सकता है? तुम्हारी लाई आस्था के पीछे भी छिपे होंगे तुम्हारे संदेह। तुम आरोपित भी कर लोगे विश्वास को, तो भी विश्वास के पीछे अविश्वास खड़ा होगा। तुम कितनी ही दृढता से भरोसा करना चाहो, लेकिन तुम्हारी दृढ़ता कंपती रहेगी और तुम जानते रहोगे कि जो तुम्हारे अनुभव में नहीं उतरा है, उसे तुम चाहो भी तो भी कैसे मान सकते हो? मान भी लो, तो भी कैसे मान सकते हो? तुम्हारा ईश्वर कोरा शब्दजाल होगा, जब तक अनुभव की किरण न उतरी हो। तुम्हारे मोक्ष की धारणा मात्र शाब्दिक होगी, जब तक मुक्तिका थोड़ा स्वाद तुम्हें न लगा हो।

आज का राशिफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बढ़ेंगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।

वृषभ आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

कर्क आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।

सिंह पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रक्तचाप में वृद्धि होगी।

नागरिकों की गरिमा रक्षा की हो पहल

लक्ष्मीकांता चावला

कुछ महीने पहले जब अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप थे, तब अमेरिका में एक अश्वेत पुलिस के हाथों मारा गया। वहां यह प्रश्न उत्पन्न हुआ कि गोरे पुलिस वाले ने बिना कारण अश्वेत को मार दिया। पुलिस द्वारा मारे जाने से ज्यादा गंभीर प्रश्न बना अश्वेत को मारना और यह दुखांत अमेरिका के लगभग हर राज्य में आंदोलन का कारण बना। सरकार के विरुद्ध जनता का रोष फूट पड़ा। आंदोलनकारी एक रंग के नहीं थे, अमेरिकन थे। उनको यह बिल्कुल नापसंद था कि कोई इसलिए मारा जाए कि वह रंग का काला है, निर्दोष भी है। नये राष्ट्रपति जो बाइडन ने सार्वजनिक रूप से पुलिस द्वारा मारे गए व्यक्ति की बेटी से क्षमा मांगी थी, पश्चाताप किया था। शायद उस बालिका के लिए गुजारे का प्रबंध भी किया। अमेरिका के राष्ट्रपति का यह मानवीय रूप हम सबको अच्छा लगा। हम चाहते हैं कि हर देश में ऐसा ही हो जाए, पर यह तभी संभव है जब यहां के नागरिक स्वयं जागरूक हों। मानवीय अधिकारों के रक्षक भी हों और प्रवक्ता भी। विडंबना, हमारे देश में अभी यह भावना पूरी तरह जागृत नहीं हुई। ऐसा लगता ही नहीं कि हम स्वतंत्र देश के स्वतंत्र नागरिक हैं। देश का राज्य जनता का है, जनता के लिए है। आजकल तो लगता है कि यह राज्य या तो नेताओं का है या फिर पुलिस और दूसरे विभागों के कर्मचारियों-अधिकारियों का। जिसके हृदय में मानवता विद्यमान है, वह तो दूसरे नागरिकों को भी सम्मान देता है, पर अगर कोई दूसरे नागरिकों से क्रूरता का व्यवहार करता है, यहां तक कि मौत भी दे देता है तो जैसा देशव्यापी विरोध पैदा होना चाहिए, वह दिखाई नहीं देता। आश्चर्य है कि धर्म के नाम पर गुस्सा हिंदुस्तान में बहुत जल्दी सड़कों पर दिखाई देता है। लाखों लोग सड़कों पर निकल आते हैं। सरकारी-गैर सरकारी संपत्ति को नष्ट भी करते हैं। पर जब एक नागरिक को कानून के मालिक पीटते हैं, अपमानित करते हैं, तब वह गुस्सा दिखाई नहीं देता, जिसकी स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यकता भी है। जहां लोकतंत्र में लोग मौन रहते हैं वहां तंत्र हावी हो जाता है। इस तंत्र की चक्की में कोई भी पिस सकता है। जैसे कोरोना के लिए जो नियम बनाए, उसमें मास्क पहनना जरूरी है। हर नागरिक को इस नियम का पालन भी करना चाहिए, पर इसका अर्थ यह नहीं कि कोरोना से बचाव के लिए अगर

किसी ने मास्क नहीं पहना या ढंग से नहीं पहना तो उसको पुलिस तंत्र द्वारा इस तरह मसल दिया जाए कि वह उठने के योग्य भी न रहे। एक तरफ तो देश के नेता नियमों को पूरी तरह तोड़कर बड़ी-बड़ी चुनावी रैलियां करते हैं, रोड शो करते हैं। वहां न मास्क, न कोई हाथ धोने का प्रबंध और न ही सामाजिक दूरी, बल्कि निकट से निकट लाने की एक अस्वस्थ कोशिश दिखाई देती है। दूसरी ओर उ.प्र. के आजमगढ़ की पुलिस एक दुकान के अंदर जाकर एक व्यापारी के मास्क का निरीक्षण करके यह निर्णय लेती है कि मास्क ठीक से नहीं पहना। धक्के मारकर उसे बाहर निकाला। जिप्सी में ठूंस दिया और थाने ले जाकर अपमानित किया। उन पुलिस वालों को इस गैरकानूनी, अमानवीय हरकत के लिए कोई दंड मिला, नहीं जानते। इसी प्रकार मध्य प्रदेश के इंदौर में यही सरकारी कहर एक आटो रिक्शा चालक पर टूटा। आश्चर्य है, आसपास खड़े लोग पुलिस के डर से चालक की पिटाई देखते रहे। मोगा जिले के एक वीआईपी जिससे नाराज हो गए, उसे पुलिस बल से थाने में पहुंचा कर कड़िक्की (लकड़ी का पिंजरा) में फंसाकर पिटवाते रहे। मैं तो बार-बार उस वैज्ञानिक का धन्यवाद करती हूं, जिसने मोबाइल फोन के साथ कैमरा जोड़ दिया। कार्यवाही तभी हुई जब अधिकारियों की नींद सोशल मीडिया ने खोल दी। स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ मनाने को तैयार हैं, भारत के आम आदमी को वह सम्मान, जीवन के साधन, पेट भर रोटी नहीं मिली, जिसकी साधना करते हुए जलियांवाला बाग में अपना रक्त देकर आजादी का अभिषेक हमारे शहीदों ने किया था। काश! हमारे देश के शासक जो बाइडन का अनुकरण करते हुए कम से कम तूतीकोरिम तमिलनाडु के कहर के लिए तो माफी मांग लेते, जहां पुलिस ने कोविड नियमों के उल्लंघन के नाम पर दुकानदार पिता-पुत्र को थाने ले जाकर लाश बना दिया था।

दाम घटने, शुल्क कटौती से मार्च में सोने का आयात बढ़कर 160 टन पर पहुंचा: जीजेईपीसी

मुंबई: रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने मंगलवार को कहा कि शुल्क कम कर 7.5 प्रतिशत करने, बहुमूल्य धातु की कीमत में कमी तथा निर्यात बाजारों की मांग बढ़ने से मार्च में सोने का आयात बढ़कर 160 टन हो गया। जीजेईपीसी के आंकड़ों के मुताबिक 2019-20 के दौरान मार्च में सोने का आयात 28.09 टन हुआ था। जीजेईपीसी ने कहा कि सोने के आयात में वृद्धि मुख्य रूप से लॉकडाऊन में ढील, भारत में शादी-विवाह के मौसम, व्यापार और उपभोक्ता धारणा में सुधार आने से हुई। इसके साथ ही हाल ही में सोने की कीमतों में भारी गिरावट आने के बाद अमेरिका, ब्रिटेन जैसे निर्यात बाजारों से रत्न और आभूषण उत्पादों की मांग में वृद्धि के कारण हुई है। जीजेईपीसी का मानना है कि उक्त अवधि में घरेलू बाजार और विभिन्न देशों में त्यौहारों का समय होने, खनन और निर्यात गतिविधियों के फिर से शुरु होने, घरेलू और वैश्विक बाजार में उत्पादन गतिविधियों के फिर से शुरू होने, कोरोना टीके को विकास तथा टीकाकरण की शुरुआत तथा यात्रा में छूट जैसे कई वजहों से सोने की मांग में वृद्धि हुई। जीजेईपीसी के अध्यक्ष कॉलिन शाह ने कहा, हमें एक उचित निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए आगामी महीनों में समग्र बाजार के रुझान का समग्र रूप से निरीक्षण करना होगा।

टेस्ला भारत में इलेक्ट्रिक कारों के उद्योग को देगा मजबूती

नई दिल्ली। टेस्ला इस साल भारत में अपनी पहली ऑल-इलेक्ट्रिक कार बनाने की योजना बना रहा है। इसके तहत एलन मस्क की कंपनी ने देश के शीर्ष अधिकारियों को काम पर रखा है, जो भारत में रहकर परिचालन का प्रभार संभालेंगे। मस्क के भारत में टेस्ला लाने की बात के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा ने फरवरी में घोषणा की कि अमेरिका स्थित इलेक्ट्रिक वाहन और स्वच्छ ऊर्जा कंपनी यहां अपनी उत्पादन इकाई स्थापित करेगी। टेस्ला पहले ही बेंगलुरु में अपना कार्यालय पंजीकृत कर चुका है। उच्च पदों के लिए आईआईएम बैंगलोर के पूर्व छात्र मनुज खुराना को भारत के संचालन के लिए नीति और व्यवसाय विकास प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया है। कंपनी ने निशांत को चार्जिंग मैनेंजर के रूप में नियुक्त किया है जो टेस्ला इंडिया के लिए सुपरचार्जिंग, डेस्टिनेशन चार्जिंग और होम चार्जिंग बिजनेस का नेतृत्व करेंगे। वह पहले घरेलू इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी एथर एनर्जी में चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्च र एंड एनर्जी स्टोरेज के प्रमुख थे। टेस्ला इंडिया के पास देश की एचआर लीडर चिथरा थॉमस हैं, जिन्होंने पहले वॉलमार्ट और रिलायंस रिटेल में काम किया था। टेस्ला क्लब इंडिया ने बुधवार को एक ट्वीट में कहा, टेस्ला इंडिया स्थानीय टीम बनाने के साथ पूरी गति से आगे बढ़ रही है। हम प्रगति देखने के लिए उत्साहित हैं। जब टेस्ला अपनी पहली कार डिलीवर करेगा तो उस दौरान मस्क आपको भारत में देखने की उम्मीद है। 12 जनवरी को येदियुरप्पा ने अपने आधिकारिक हैंडल से ट्वीट किया था कि टेस्ला बेंगलुरु में आरएंडडी इकाई के साथ भारत में अपना परिचालन शुरू करेगा। इस खबर के आने के बाद चुप्पी को तोड़ते हुए टेस्ला ने बेंगलुरु में कंपनी के रूप में पंजीकरण कराके भारत में आने की बात कही थी। मस्क ने 13 जनवरी को कहा कि वह भारत की सड़कों पर इलेक्ट्रिक कारों को चलाने के अपने वादे को पूरा करने के लिए तैयार हैं। पिछले हफ्ते केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि उन्होंने टेस्ला को भारत में ईवीएस का निर्माण शुरू करने के लिए आमंत्रित किया है। रायसीना डायलॉग 2021 में अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि कंपनी के लिए भारत में विनिर्माण शुरू करने का यह सुनहरा अवसर है। उन्होंने कहा, मैंने टेस्ला प्रबंधन के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की। मैंने उन्हें सुझाव दिया कि यह उनके लिए भारत में विनिर्माण शुरू करने का सुनहरा अवसर है। गडकरी ने यह भी कहा कि उन्होंने कंपनी को आश्वासन दिया है कि सरकार उन्हें देश में औद्योगिक क्लस्टर स्थापित करने में मदद करेगी।

इस्पात, सीमेंट के लिए मांग पैदा हो रही है लेकिन उद्योग साठगांठ में लिप्त है: गडकरी

बिजनेस डेस्क:

केन्द्र सड़क परिवहन एवं एमएसएमई मंत्री

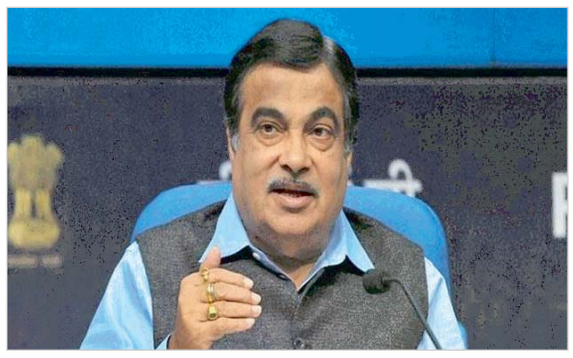

नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि सड़क और दूसरी ढांचागत सुविधाओं के निर्माण में इस्पात और सीमेंट की भारी मांग सृजित हो रही है लेकिन इसके विपरीत उद्योग आपसी साठगांठ में लगा है और लोगों के शोषण में लिप्त है। गडकरी ने कहा कि इस स्थिति को देखते हुए वह अब इस्पात और सीमेंट का कोई विकल्प तलाशने में लगे हैं और इस दिशा में कड़ी मेहनत से लगे हुये हैं। एक वेबिनार को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि प्रतिदिन 37 किलोमीटर तक सड़क बनाई जा रही है। बड़े पैमाने पर सड़क परियोजनाओं पर काम चल रहा है। उन्होंने कहा, ÷हमारे ठेकेदार तेजी से काम कर रहे हैं लेकिन मुझे खेद है जब में इस्पात और सीमेंट की मांग पैदा कर रहा हूं तब यह उद्योग आपस में मिलकर साठगांठ कर रहा है और परिस्थिति का लाभ उठा रहा है। यह मेरे लिये बड़ी पीड़ा देने वाला है। गडकरी ने वेदांता साथी कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कहा कि इस्पात और सीमेंट की मांग को कम करने के लिये अंतरराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी को अपनाया जा सकता है और अब हम इस दिशा में आगे बढ़कर काम कर रहे हैं।

एफपीआई की शेयर हिस्सेदारी सितंबर-मार्च में 105 अरब डॉलर बढ़ी: रिपोर्ट

मुंबई:

घरेलू इक्विटी में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के शेयरों का मूल्य 2020-21 में रिकॉर्ड 555 अरब अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया और सितंबर 2020 से मार्च 2021 के बीच इसमें 105 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई। बैंक ऑफ अमेरिका (बोफा) सिक्योरिटीज के आंकड़ों के अनुसार इसके मुकाबले घरेलू संस्थागत निवेशकों का निवेश 203 अरब डालर था, जो एफपीआई के मुकाबले आधे से भी कम है। रिपोर्ट के मुताबिक एफपीआई ने इस साल 16 अप्रैल तक (वर्ष दर तारीख के आधार पर) शुद्ध 7.2 अरब डॉलर का निवेश किया है और भारत एकमात्र ऐसा बाजार है, जिसने इस साल में शुद्ध सकारात्मक प्रवाह देखा है। हालांकि, मार्च 2021 में इसमें गिरावट देखने को मिली थी। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार 2020-21 में एफपीआई ने रिकॉर्ड 37 अरब अमरीकी डॉलर या 2.75 लाख करोड़ रुपए इक्विटी में निवेश किए, जो दो दशकों में सबसे अधिक है।

अब सीधा खाते में आएगा एमएसपी का पैसा, बिचौलियों का खेल हुआ खत्म, ये है सरकार की नई योजना

सरकार ने किसानों के लिए एक राष्ट्र एक एमएसपी एक डीबीटी नामक योजना शुरू की है. अब सरकार किसानों से जो फसल खरीदेगी, उसका पैसा सीधे किसानों के बैंक खाते में जाएगा. यह स्कीम पंजाब सहित 11 राज्यों में लागू हो गई है और किसानों को डीबीटी के जरिए ही उपज का पैसा दिया जा रहा है. ऐसा होने से बिचौलियों का खेल खत्म हो गया है. लेकिन डीबीटी लागू होने की वजह से पंजाब के आढ़तिये हड़ताल पर थे. लेकिन केंद्र सरकार ने उनकी मांगों को नहीं सुना. आखिरकार आढ़तियों की हड़ताल टूट गई. 10 अप्रैल से पंजाब में डीबीटी के तहत गेहूं की खरीद भी शुरू हो चुकी है. केंद्र सरकार चाहती है कि पंजाब में सभी जमीनों का डिजिटलीकरण हो. खरीद का सारा रिकॉर्ड केंद्र सरकार के प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर अपलोड किया जाना है. इस काम के लिए पंजाब सरकार ने कुछ महीनों का समय मांगा है. सभी राज्यों को यह काम करना होगा. डीबीटी से एमएसपी के पेमेंट में पारदर्शिता आएगी और इससे किसानों के हक का पैसा नहीं मारा जाएगा. लेकिन जब तक जमीन-खसरा आदि का डिजिटलीकरण नहीं होता, तब तक अनाज खरीद का फर्जी रिपोर्ट दिखाया जा सकता है और किसानों का पैसा मारा जा सकता है. पहले किसान आढ़तियों से कर्ज लेकर अपना काम करते थे, जिस पर उन्हें मोटा ब्याज देना पड़ता था. लेकिन अब डीबीटी लागू होने से पूरा सिस्टम बदल गया है. कुछ लोग डीबीटी को किसानों के लिए सही बता रहे हैं और कुछ लोग इसका विरोध कर रहे हैं. कुछ लोगों का मानना है इससे कमीशन एजेंट और किसानों के बीच का रिश्ता खत्म हो जाएगा. कुछ लोग यह भी कह रहे हैं कि जिस तरह आढ़तिये पैसे देते थे, उस तरह सरकार किसानों को पैसे नहीं दे पाएगी. एक आंकड़े के मुताबिक, पंजाब के किसानों के खाते में 13.71 करोड़ तो हरियाणा के किसानों के खाते में 735 करोड़ रुपये जमा हो चुके हैं.

एसर ने भारत में 5जी लैपटॉप स्पिन 7 का अनावरण किया

बेंगलुरू।

वैश्विक पीसी ब्रांड एसर ने बुधवार को भारत में अपने पहले 5जी सक्षम कन्वर्टिबल लैपटॉप स्पिन 7 का अनावरण किया, जो एमएमवेव और सब-6 गीगाहट्र्ज फ्रीक्वेंसी को सपोर्ट करते हुए अविश्वसनीय प्रदर्शन और कनेक्टिविटी प्रदान करता है। स्पिन 7 स्नैपड्रैगन 8सीएक्स जनरेशन 2 5जी की विशेषता के साथ एसर की कीमत एक्सक्लूसिव स्टोर, एसर ऑनलाइन स्टोर और अन्य पार्टनर स्टोर्स पर 1,34,999 रुपये से शुरू होती है। लैपटॉप में एक 14 इंच का कन्वर्टिबल लैपटॉप डिजाइन पेश किया गया है, जो आधुनिक मोबाइल पेशेवरों के लिए खासतौर पर डिजाइन किया गया है, जिसकी मैग्नीशियम-एल्यूमीनियम मिश्र धातु बॉडी है। एसर इंडिया के मुख्य व्यवसाय अधिकारी सुधीर गोयल ने एक बयान में कहा, हम भारत में स्नैपड्रैगन 8सीएक्स जनरेशन 2 5जी कंप्यूट प्लेटफॉर्म पर अपना पहला लैपटॉप लॉन्च करने के लिए उत्साहित हैं, जो कि मल्टी-डे बैटरी लाइफ और तेज 5जी कनेक्टिविटी के साथ उत्कृष्ट उत्पादकता और पोर्टेबिलिटी को सक्षम बनाता है। यह 360-डिग्री हिंज को सपोर्ट करता है, जो यूजर्स को लचीले ढंग से स्क्रीन को स्विच करने या क्लैमशेल मोड में किसी डॉक्यूमेंट को टाइप करने या डिवाइस के टचस्क्रीन मोड पर नोट्स लेने की अनुमति देता है। नए स्पिन 7 को बार-बार चार्ज करने की जरूरत नहीं पड़ती, क्योंकि यह मल्टी-डे बैटरी लाइफ प्रदान करता है, जिसके साथ इस पर लंबे समय तक काम किया जा सकता है।

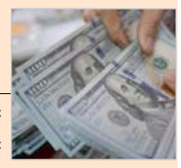

नया स्पिन 7 विंडोज 10 प्रो को सपोर्ट करता है, जिसमें डेटा, उपकरण और लोगों के लिए अंतर्निहित सुरक्षा शामिल है। इसका फायदा यह है कि अगर आपका डिवाइस गुम हो जाता है या चोरी हो जाता है तो इसमें सेव किया की व्यवसाय संबंधी या व्यक्तिगत जानकारी सुरक्षित रहती है। विंडोज हैलो के साथ, उपयोगकर्ता सुरक्षा और सुविधा के लिए एक फिंगरप्रिंट का उपयोग करके विंडोज 10 उपकरणों को तुरंत एक्सेस कर सकते हैं। लैपटॉप स्नैपड्रैगन 8सीएक्स जनरेशन 2 5जी कंप्यूट प्लेटफॉर्म का उपयोग करता है, जो कि एमएमवेव और सब-6 गीगाहट्र्ज फ्रीक्वेंसी पर 5जी कनेक्टिविटी को सपोर्ट करता है।

कोरोना संकट के बावजूद कृषि निर्यात में 18.49 फिसदी की वृद्धि

बिजनेस डेस्क:

कोरोना संकट के बावजूद गत वर्ष की तुलना में वर्ष 2020-21 के दौरान कृषि और इससे संबंधित वस्तुओं के निर्यात में 18.49 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। अप्रैल 2020 से फरवरी 2021 के दौरान कृषि और इससे संबंधित वस्तुओं का निर्यात 2.74 लाख करोड़ था जबकि इसके पूर्व के वर्ष में इसी अवधि के दौरान कृषि वस्तुओं का निर्यात 2.31 लाख करोड़ रुपए था। इससे स्पष्ट होता है निर्यात में 18.49 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2019-20 के दौरान देश से कृषि और संबंधित वस्तुओं का निर्यात 2.52 लाख करोड़ का था जबकि आयात 1.47 लाख करोड़ रुपए का था। जिन वस्तुओं का निर्यात में महत्पूर्ण योगदान है उनमें गेहूं, गैर बासमती चावल, सोया मिल, मसाले, चीनी, कपास, ताजी सब्जियां, प्रसंस्कृत सब्जियां और एल्कोहलिक पेय प्रमुख हैं। गेहूं और अन्य अनाजों के निर्यात में गत वर्ष की तुलना में जबरदस्त उछाल आया है। गेहूं का निर्यात जो 425 करोड़ रुपए का था, वह बढ़कर 3283 करोड़ रुपए और अन्य अनाजों का 1318 करोड़ रुपए से बढ़कर 4542 करोड़ रुपए हो गया है। अफगानिस्तान को 50000 टन और लेबनान को 40000 टन गेहूं का निर्यात किया गया। इस प्रकार से गेहूं के निर्यात में 727 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्ज की गई। इसी तरह से गैर बासमती चावल के निर्यात में 132 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वर्ष 2019-20 में 13030 करोड़ के गैर बासमती चावल का निर्यात किया गया था जो 2020-21 में बढ़कर 30277 करोड़ हो गया। नए बाजार के कारण चावल के निर्यात में वृद्धि हुई। इन बाजारों में ब्राजील, टाइमर लेस्टी, पापुआ न्यू गिनी, चिली आदि प्रमुख हैं। टोगो, सेनेगल, मलेशिया, मेडागास्कर, इराक, बंगलादेश, वियतनाम, मोजांबिक आदि देशों को भी चावल का निर्यात किया गया। सोया मिल के निर्यात में 132 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वर्ष 2019-20 में इसका निर्यात 3087 करोड़ रुपए था जो 2020-21 में बढ़कर 7224 करोड़ रुपए हो गया। अप्रैल 2020 से फरवरी 2021 के दौरान मसालों का निर्यात 26257 करोड़, चीनी का 17072 करोड़, कपास 11373 करोड़, ताजी सब्जियों का 4780 करोड़ और प्रसंकृत सब्जियों का 2846 करोड़ रुपए का निर्यात किया गया। इस दौरान कृषि और इससे संबंधित वस्तुओं का 141034.25 करोड़ रुपए का आयात किया गया।

एयर इंडिया ने 24 से 30 तक भारत-ब्रिटेन की उड़ानें रद्द कीं

मुंबई । कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों की वजह से विमानन कंपनी एयर इंडिया ने 24 से 30 अप्रैल तक के लिए ब्रिटेन जाने वाली और यूके से भारत आने वाली सभी उड़ाने रद्द कर दी हैं। हालांकि कंपनी का कहना है कि वे इस दौरान हफ्ते में एक बार फ्लाइट संचालित करने की प्रक्रिया में हैं। कंपनी ने आगे की जानकारी के लिए वेबसाइट और सोशल मीडिया चैनल पर अपडेट्स रहने के लिए कहा है। एयर इंडिया ने कहा कि जो यात्री भारत और यूके के बीच यात्रा करने वाले थे, वे ध्यान दें कि यूके की ओर से लगाए गए हालिया प्रतिबंधों की वजह से 24 से 30 अप्रैल 2021 तक यूके के लिए सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। यात्रा के नए समय, रिफंड के बारे में जल्दी जानकारी दी जाएगी। ब्रिटेन ने भारत को उन देशों की 'लाल सूची' में डाल दिया है, जिसके तहत गैर-ब्रितानी और आइरिश नागरिकों के भारत से ब्रिटेन जाने पर पाबंदी रहेगी। साथ ही विदेश से लौटे ब्रितानी लोगों के लिए होटल में 10 दिन तक पृथकवास में रहना अनिवार्य कर दिया है। ब्रिटेन में कोरोना वायरस के तथाकथित भारतीय स्वरूप से पीड़ित होने के 103 मामले सामने आए हैं।

एप्पल ने अगले सप्ताह से आईओएस 14.5 अपडेट शुरू करने की घोषणा की

नई दिल्ली।

एप्पल ने खुलासा किया है कि आईओएस 14.5 आधिकारिक तौर पर अगले सप्ताह से शुरू होगा। जैसे कि एप्पल ने नए टाइल-लाइक एयरटैग ट्रैकर को लॉन्च करने की घोषणा की, कंपनी ने मंगलवार को कहा, एयरटैग को आईओएस 14.5 या उसके बाद के आईफोन या आईपॉड टच की आवश्यकता है, या आईपैड को आईपैड 14.5 या बाद में चलाने की आवश्यकता है। ये सॉफ्टवेयर अपडेट अगले सप्ताह से उपलब्ध होंगे। एप्पल ने कहा, ग्राहकों के पास एक एप्पल आईडी होनी चाहिए और उनके आईक्लाउड अकाउंट में साइन इन होना चाहिए। कुछ विशेषताओं के लिए फाइंड माय आईक्लाउड सेटिंग्स में सक्षम होना आवश्यक है। एप्पल ने पहली बार आईओएस 14.5 बीटा को वॉचओएस 7.4 बीटा के साथ इस साल की शुरूआत में फरवरी में लॉन्च किया था। 14.5 बीटा आईपैडओएस के साथ क्यूपर्टिनो आधारित तकनीकी दिग्गज जर्मन, फ्रेंच, स्पेनिश, इतालवी और पुर्तगाली के लिए एप्पल पेंसिल स्क्रिबल सपोर्ट का विस्तार कर रहा है। नया आईओएस 14.5 बीटा अपडेट अपने साथ 200 से अधिक नए इमोजी पेश करता है, जिसमें एक नया एयरपोड्स मैक्स इमोजी भी शामिल है। नया अपडेट अपने साथ टेक स्क्रीनशॉट, ओरिएंटेशन लॉक सहित ऐप के लिए नए शॉर्टकट भी लाता है, जहां शॉर्टकट ऐप स्क्रीन ओरिएंटेशन को ऑन या ऑफ करता है। एप्पल ने आगामी आईओएस अपडेट के माध्यम से आईफोन 11 सीरीज

डिवाइस के साथ बैटरी ड्रेन और अन्य प्रदर्शन मुद्दों को ठीक करने की भी घोषणा की है। एप्पल सपोर्ट डॉक्यूमेंट के अनुसार, जब आप आईफोन 11, 11 प्रो, या 11 प्रो मैक्स को आगामी आईओएस 14.5 अपडेट के साथ अपडेट करेंगे तो रिकैलिब्रेशन प्रक्रिया होगी।

नकदी पैकेज की दूसरी किश्त जारी होने के बाद मार्च में डिस्कॉम बकाया घटकर 74,000 करोड़ रुपए हुआ

बिजनेस डेस्क:

पीएफसी कंसल्टिंग लिमिटेड के आंकड़ों के मुताबिक बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) का बकाया इस साल मार्च में इससे पिछले महीने के मुकाबले 15,118 करोड़ रुपए घटकर 74,510 करोड़ रुपए रह गया। नकदी पैकेज की दूसरी किश्त जारी होने के चलते यह कमी आई। फरवरी 2021 में बकाया राशि 89,628 करोड़ रुपए थी। बिजली आपूर्ति बिलों का भुगतान करने के लिए बिजली उत्पादक कंपनिया डिस्कॉम को 45 दिन का समय देती हैं। इससे अधिक समय होने पर अधिकांश मामलों में ब्याज चुकाना पड़ता है। केंद्र सरकार ने मई 2020 में डिस्कॉम के लिए 90,000 करोड़ रुपए के नकदी पैकेज की घोषणा की थी, जिसके तहत उन्हें पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन

(पीएफसी) और आरईसी लिमिटेड से किफायती दरों पर ऋण मिलेगा। नकदी पैकेज के तहत पीएफसी और आरईसी ने मिलकर अब तक 78,855 करोड़ रुपए जारी किए हैं।

जनवरी-मार्च में कंपनियों ने 22 IPO से 2.5 अरब डॉलर जुटाए

नई दिल्ली:

भारतीय कंपनियों ने जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान 22 आरंभिक सार्वजनिक निर्गमों के जिरए 2.5 अरब डॉलर जुटाए। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के पूंजी बाजार में तेजी के रुख के बीच कंपनियां आईपीओ बाजार में उतरीं और यह रुख चालू तिमाही के दौरान भी जारी रहने की उम्मीद है। प्रमुख परामर्शक कंपनी ईवाई इंडिया बुधवार को जारी आईपीओ रिपोर्ट के अनुसार 2021 की पहली तिमाही में उपभोक्ता उत्पाद और खुदरा, विविधीकृत औद्योगिक उत्पाद, ऑटोमोटिव और परिवहन क्षेत्र की कंपनियों ने आईपीओ लाने में रुचित दिखाई। ये आईपीओ मुख्य के अलावा लघु एवं मझोले उपक्रम (एसएमई) के लिए विशेष रूप से स्थापित बाजार मंचों में लाए गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि पहली तिमाही में आईपीओ बाजार अच्छा रहा है और यह रुख दूसरी तिमाही में भी जारी रहने की उम्मीद है। 2021 में आईपीओ की संख्या के हिसाब से भारत वैश्विक स्तर पर नौवें स्थान पर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पहली तिमाही में 22 आईपीओ के जरिए कंपनियों ने कुल 257.04 करोड़ डॉलर जुटाए। इनमें से पांच आईपीओ एसएमई क्षेत्र के थे। पहली तिमाही में 63.4 करोड़ डॉलर के साथ इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन (आईआरएफसी) का आईपीओ सबसे बड़ा रहा। मुख्य बाजार (बीएसई और एनएसई) में 2021 की पहली तिमाही में 17 आईपीओ आए। 2020 की पहली तिमाही में एक और चौथी तिमाही में 10 आईपीओ आए थे। इस तरह बीएसई और एनएसई में पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में आईपीओ में 1,600 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई जबकि चौथी तिमाही की तुलना में 70 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। एसएमई खंड में पहली तिमाही में पांच आईपीओ आए। पिछले साल की पहली तिमाही में 11 और चौथी तिमाही में नौ आईपीओ आए थे। इस तरह पिछले साल की पहली तिमाही की तुलना में एसएमई आईपीओ में 55 प्रतिशत और चौथी तिमाही की तुलना में 44 प्रतिशत की गिरावट आई।

सोनी ने भारत में एक्स 75 एंड्रॉएड टीवी सीरीज का अनावरण किया

नई दिल्ली।

सोनी इंडिया ने बुधवार को एक नई एक्स75 एंड्रॉएड टीवी सीरीज का अनावरण किया, जो 4के अल्ट्रा एचडी एलईडी डिस्प्ले के साथ पेश की गई है। नई ब्राविया एक्स75 सीरीज सभी सोनी सेंटरों, प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक स्टोर्स और ई-कॉमर्स पोर्टल्स पर दो साइज में उपलब्ध है। 50 इंच और 43 इंच की कीमत क्रमश 72,990 रुपये और 59,990 रुपये निर्धारित की गई है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि नई एक्स75 एंड्रॉएड टीवी सीरीज एक शक्तिशाली एक्स1 4के प्रोसेसर के साथ आती है, जो शोर को कम करने और विस्तार को बढ़ाने के लिए उन्नत एल्गोरिदम का उपयोग करती है। कंपनी ने यह भी कहा कि स्पष्ट 4 के सिग्नल के साथ, आप जो कुछ भी देखते हैं वह बेहतर कलर और कॉन्ट्रास्ट के साथ 4के रिजॉल्यूशन का अनुभव प्रदान करता है। एक्स75 सीरीज लाइव कलर फीचर को सपोर्ट करती है, जो सजीव या जीवंत रंगों के साथ लाइफलाइक चित्र अनुभव प्रदान करती है, जिसमें कोई भी छवि धूमिल नहीं होती है। यह फीचर रंगों का विस्तार करता है, ताकि यूजर्स को उनकी पसंदीदा सामग्री को अधिक जीवंतता के साथ अनुभव किया जा सके। नई लाइनअप में सोनी का एंड्रॉएड टीवी भी शामिल है, जो यूजर्स को अपने व्यापक मंच के माध्यम से सामग्री, सेवाओं और उपकरणों तक आसान पहुंच प्रदान करता है। यह स्मार्ट एंड्रॉएड टीवी आपको तुरंत एप्लिकेशन से फिल्मों और शो का आनंद लेने की अनुमति देता है। यह आपको अपने टीवी को गूगल होम या अमेजन इको जैसे लोकप्रिय स्मार्ट डिवाइसों से जोड़ने की सुविधा देता है, जो दर्शकों को स्मार्ट स्पीकर के जरिए टीवी को नियंत्रित करने और उस पर सामग्री स्ट्रीम करने की अनुमति देता है। एक्स75 सीरीज डॉल्बी ऑडियो तकनीक के साथ एक असाधारण ध्वनि अनुभव भी प्रदान करती है।

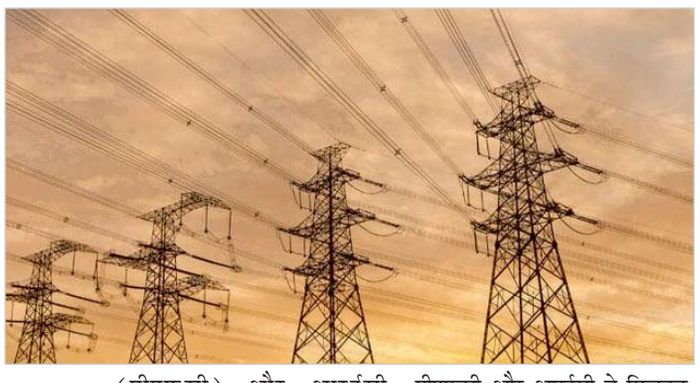

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

टोक्यो ओलंपिक के लिए महिला फुटबॉल के मुकाबले घोषित

ज्यूरिख। टोक्यो ओलंपिक के लिए महिला फुटबॉल मुकाबले बुधवार को घोषित कर दिए गए। ड्रॉ के अनुसार, पहले मैच में अमेरिका का सामना स्वीडन से होगा। महिला वर्ग में 12 टीमें हिस्सा ले रही हैं जिन्हें चार-चार टीमों के तीन ग्रुप में बांटा गया है। मेजबान जापान को ग्रुप ई में कनाडा, ब्रिटेन और चिली के साथ रखा गया है। अमेरिका की टीम जनवरी 2019 के बाद से एक भी मैच नहीं हारी है। स्वीडन ने 2019 विश्व कप में तीसरा स्थान हासिल किया था। चिली की महिला फुटबाल टीम का यह पहला ओलंपिक होगा। टीम 2019 में अपना पहला विश्व कप खेल चुकी है। टूर्नामेंट के लिए ग्रुप-ई में जापान, कनाडा, ब्रिटेन, चिली को जबकि ग्रुप-एफ में चीन, ब्राजील, जाम्बिया और नीदरलैंडस को रखा गया है। वहीं, ग्रुप-जी में स्वीडन, अमेरिका, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड शामिल है।

यूथ मुक्केबाजी : भारत के 11 पदक पक्के

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के आठ मुक्केबाजों ने पोलैंड के किल्से में जारी एआईबीए यूथ पुरुष और महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपना शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में अपनी जगह बना ली है। इनमें सात महिला और एक पुरुष मुक्केबाज शामिल हैं।सभी 7 भारतीय महिला मुक्केबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और जीत हासिल करते हुए फाइनल में जगह बनाई और वे स्वर्ण पदक पर कब्जा करना चाहेंगी।दिन के पहले मुकाबले में गितिका (48 किग्रा) ने इटली की एरिका प्रिस्किनाड्रो पर 5-0 की शानदार जीत के साथ फाइनल में प्रवेश किया, जहां अब उनका सामना पोलैंड की नतालिया डोमिनिका से होगा।एक अन्य मुकाबले में साल 2019 की एशियन यूथ चैंपियन बेबीरोजीसाना चानू (51 किग्रा) ने इटली की एलन अयारी को आसान से मात देकर स्वर्ण पदक मुकाबले में अपनी जगह पक्की की। मणिपुर की बॉक्सर ने बहुत ही तीव्रता के साथ पूरे बाउट पर हमला किया, जिसकी बदौलत 5-0 से फैसला उनके पक्ष में रहा। फाइनल में अब वह गुरुवार को रूस की वेलेरिया लिंकोवा के खिलाफ रिंग में उतरेंगी। पूनम (57 किग्रा) ने अपने अजेय रहने के अंतर्राष्ट्रीय रिकॉर्ड को जारी रखते हुए उज्बेकिस्तान की सिटोरा टेर्डिबेकोवा को 5-0 से शिकस्त देकर फाइनल में प्रवेश किया। खिताबी मुकाबले में अब उनके सामने फ्रांस की स्टील्नी ग्रॉसी की चुनौती होगी। विंका (60 किग्रा) ने चेक गणराज्य की वेरोनिका गजदोवा पर 4-1 से जीत दर्ज की। गोल्ड मेडल बाउट में अब वह कजाकिस्तान की झुलडीज श्याखेतोवा के खिलाफ रिंग में उतरेंगी। राजस्थान की अरुंधति चौधरी (69 किग्रा) ने भी उज्बेकिस्तान की खादीचोबोनू अब्दुल्लाएवा को 5-0 से आसानी से हराते हुए फाइनल में पोलैंड की बरबरा मासिंकोव्स्का से भिड़ना का रास्ता साफ किया। 75 किलोग्राम मिडिलवेट सेमीफाइनल मुकाबले में, सनमचा चानू को पोलैंड की स्थानीय मुक्केबाज डारिया पारडा के खिलाफ कुछ शुरुआती चुनौती का सामना करना पड़ा। लेकिन अपने प्रतिद्वंद्वी की रणनीति का आकलन करने के बाद, चानू ने अंतिम दो राउंड में जोरदार वापसी की और 4-1 से मुकाबले को अपने पक्ष में कर लिया। चानू अब स्वर्ण पदक के लिए कजाकिस्तान की दाना दीया से भिड़ेंगी।एक अन्य स्टार मुक्केबाज, अल्फिया पठान (81 किग्रा) को भी पोलैंड की ओलिविया टोबोरेक से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा। लेकिन दूसरे राउंड में उन्होंने ऑल-आउट हमला किया और अगले राउंड में भी अपने हमले जारी रखते रखा और एक कड़े मुकाबले में 3-2 के निर्णय से मुकाबला जीत लिया। फाइनल में अब अल्फिया का सामना मोल्दोवा की डारिया कोजोरव से होगा। पुरुषों के मुकाबले में सचिन (56 किग्रा) फाइनल में पहुंचने वाले एकमात्र भारतीय मुक्केबाज बने। उन्होंने 2018 यूरोपीय जूनियर चैंपियन इटली के मिशेल बाल्डसी को 5-0 से हराया। फाइनल में अब सचिन का सामना कजाखस्तान के यब्बोलबाट साबिर के साथ होगा।तीन अन्य पुरुष मुक्केबाजों विश्वामित्र चोंगथोम (49 किग्रा), अंकित नरवाल (64 किग्रा) और विशाल गुप्ता (91 किग्रा) को सेमीफाइनल मुकाबलों में हारकर कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

विश्व कप क्वालीफाइंग में भारतीय महिला रिकर्व तीरंदाजों का शानदार प्रदर्शन

ग्वाटेमाला सिटी (ग्वाटेमाला) (एजेंसी)।

भारतीय महिला रिकर्व तीरंदाजों ने यहां जारी तीरंदाजी विश्व कप स्टेज 1 के क्वालिफिकेशन राउंड में 2003 अंकों के साथ टॉप स्थान हासिल किया, जबकि मिश्रित रिकर्व टीम दूसरे (1353 अंक) और पुरुष रिकर्व टीम क्वालिफिकेशन चरण में तीसरे (2010 अंक) स्थान पर रहीं। भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआई) के एक अधिकारी ने आईएएनएस से कहा, प्रतियोगिता उतनी मजबूत नहीं है, जितनी उम्मीद की जा रही है। यह दुनिया भर में कोरोनावायरस की एक नई लहर के कारण हो सकता है। व्यक्तिगत पुरुष रिकर्व क्वालिफिकेशन राउंड में, अतानु दास अमेरिका के एलिसन ब्रांडी के बाद दूसरे स्थान पर रहे। दास ने 680 जबकि ब्रांडी ने 694 का स्कोर किया। प्रवीण जाधव (666), धीरज बोम्मदेवारा (664) और तरुणदीप राय (663), तीन अन्य भारतीय नीचे रहे। महिलाओं की व्यक्तिगत रिकर्व क्वालिफिकेशन राउंड में, अंकिता भकत ने 673 अंक हासिल कर ग्रुप में दूसरा स्थान हासिल किया। दीपिका कुमारी ने 671 का स्कोर कर तीसरा स्थान हासिल किया। मैक्सिको की एना वाजक्वेज ने महिलाओं में 680 का स्कोर किया।

फीडे कैंडीडेट शतरंज - अनीश गिरि नें वांग हाउ को दी मात

एकतुरिनबुर्ग ,रूस (निकलेश जैन) (एजेंसी)

फीडे कैंडीडेट शतरंज चैंपियनशिप के वापसी आरंभ होने के लगातार दूसरे दिन रोमांचक शतरंज देखने को मिली और दूसरे दिन नीदरलैंड के अनीश गिरि जीत दर्ज करने वाले अकेले खिलाड़ी रहे और उन्होने चीन के वांग हाउ को मात देते हुए ना सिर्फ सयुंक्त दूसरा स्थान हासिल कर लिया बल्कि एक बार फिर मजबूती से खिताबी दौड़ मे शामिल हो गए । सफ़ेद मोहरो से खेल रहे अनीश नें केटलन ओपेनिंग मे वांग के राजा की कमजोरी का फायदा उठाते हुए अपने वजीर और हाथी के तालमेल के साथ साथ घोड़े के अच्छे खेल से 39 चालों मे जीत दर्ज कर दी । सबसे आगे चल रहे रूस के इयान नेपोंनियाची नें हमवतन अलेक्ज़ेंडर ग्रीसचुक से ड्रॉ खेला तो रूस के युवा आलेक्सींकों किरिल नें यूएस के फबियानों करूआना को ड्रॉ पर रोककर सभी को चौंका दिया । एक अन्य मुक़ाबले मे कल की हार से उबरते हुए फ्रांस के मकसीम लागरेव नें चीन के डिंग लीरेन से आसान ड्रॉ खेला । राउंड 9 के बाद नेपोंनियची 5.5 अंक के साथ पहले तो फबियानों , मकसीम और अनीश 5 अंक के साथ दूसरे स्थान पर चल रहे है , वांग हाउ, किरिल और ग्रीसचुक 4 अंक तो डिंग 3.5 अंक बनाकर खेल रहे है ।

आईपीएल 14

बेंगलोर की कड़ी चुनौती का सामना करेगी राजस्थान

मुंबई (एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 14वें सीजन के 16वें मैच में गुरुवार को यहां वानखेड़े स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) का सामना शानदार फॉर्म में चल रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) से होगा, एक बार फिर से ग्लैन मैक्सवेल और अब्राहम डिविलियर्स से विस्फोटक पारी देखने को मिल सकती है। बेंगलोर के दोनों बल्लेबाज इस समय टॉप फॉर्म मैं है, जिसकी बदौलत आरसीबी तालिका में लगातार तीन के साथ टॉप पर है। हालांकि, आरसीबी के कप्तान विराट कोहली लंबे समय तक बल्लेबाजी करना चाहेंगे और और वह एक बड़ा स्कोर हासिल करना चाहेंगे। उन्होंने पहले दो मैचों में केवल 33 रन ही बनाए थे। तीसरे मैच में वह केवल पांच रन ही बना पाए थे। आरआर के लिए, आरसीबी के बल्लेबाजों को रोकने की चुनौती होगी, जोकि कोहली और देवदत्त पडिक्कल की जोड़ी से शुरू होती है और देर तक चलती है। आरआर की बल्लेबाजी भी फ्लॉप रही है। कप्तान संजू सैमसन ने पंजाब किंग्स के खिलाफ शतक लगाकर टूर्नामेंट की अच्छी शुरूआत की थी, लेकिन उसके बाद से उन्होंने अपने विकेट खुद ही गलत शॉट खेलकर गंवाए हैं। इसके अलावा, इंग्लैंड के ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन बायो बबल में थकान का हवाला देते हुए पहले ही स्वदेश लौट चुके हैं। क्रिस मॉरिस और मुस्ताफिजुर रहमान को आरसीबी की बल्लेबाजी को रोकने लिए वास्तव में अच्छी गेंदबाजी करनी होगी।

टीमें (संभावित:)-

राजस्थान रॉयल्स : संजू सैमसन (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), रियान पराग, श्रेयस गोपाल, राहुल तेवतिया, महिपाल लोमरोर, कार्तिक त्यागी, एंड्रयू टाई, जयदेव उनादकट, मयंक मारकंडे, यशस्वी जायसवाल, अनुज रावत, डेविड मिलर, डेविड मिलर , रॉबिन उथप्पा, शिवम दुबे, क्रिस मॉरिस, मुस्तफिजुर रहमान, चेतन सकारिया, केसी करियप्पा, कुलदीप यादव, आकाश सिंह।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर : विराट कोहली (कप्तान), देवदत्त पडिक्कल, फिन एलेन (विकेट-कीपर), एबी डिविलियर्स (विकेट-कीपर), पवन देशपांडे, वाशिंगटन सुंदर, डेनियल लेम्स, युजवेंद्र चहल, एडम जम्पा, शाहबाज अहमद, मोहम्मद सिराज , नवदीप सैनी, केन रिचर्डसन, हर्षल पटेल, ग्लेन मैक्सवेल, सचिन बेबी, रजत पाटीदार, मोहम्मद अजहरुद्दीन, काइल जैमीसन, डैनियल क्रिश्चियन, सुयश प्रभुदेसाई, केएस भारत।

संक्षिप्त समाचार

एएफसी चैंपियंस लीग में एफसी गोवा को मिली पहली हार

फातोर्दा (गोवा)। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) क्लब एफसी गोवा को एएफसी चैंपियंस लीग (एसीएल) के ग्रुप चरण के मुकाबले में पहली हार का सामना करना पड़ा है। गोवा को मंगलवार रात यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए तीसरे मुकाबले में पिछले चरण की उपविजेता ईरान के फुटबाल क्लब पसेपोंलिस एफसी के खिलाफ 1-2 से शिकस्त झेलनी पड़ी। पसेपोंलिस एफसी की टूर्नामेंट में यह लगातार तीसरी जीत है। गोवा के लिए कप्तान इदु बेदिया ने 14वें मिनट में गोल करके टीम को 1-0 से आगे कर दिया था। लेकिन मेहदी टोराबी ने 18वें मिनट में पेनाल्टी पर गोल करके पसेपोंलिस एफसी को 1-1 की बराबरी दिला दी। इसके बाद जलाल हुसैनी ने 24वें मिनट में गोल करके पसेपोंलिस एफसी को 2-1 की बढ़त दिला दी। ईरान के क्लब ने इस बढ़त को अंत तक कायम रखते हुए अपनी लगातार तीसरी जीत दर्ज कर ली जबकि गोवा को पहली हार थमा दी। एफसी गोवा ने इससे पहले बुधवार को भी ग्रुप ई के पहले मैच में कतर के अल रेयान क्लब के खिलाफ भी गोलरहित ड्रॉ खेलकर अंक बांटे थे।

बॉतिस्ता आगुत ने बार्सीलोना ओपन में एंडुजार को हराया

बार्सीलोना : पांचवें वरीय रोबर्टो बॉतिस्ता आगुत ने स्पेन के अपने साथी खिलाड़ी पाब्लो एंडुजार को सीधे सेटों में हराकर बार्सीलोना ओपन टेनिस टूर्नामें के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। बॉतिस्ता आगुत ने 6-4, 6-0 से जीत दर्ज की। वह अगले दौर में यानिक सिनर से भिड़ेंगे जिन्होंने इस क्ले कोर्ट टूर्नामेंट में इगोर गेरासिमोव को 6-3, 6-2 से हराया। सातवें वरीय डेनिस शापोवालोव ने जेरेमी चार्डी को 6-3, 7-5 से हराया जबकि डेविड गोफिन ने पियरे ह्यूजेस हर्बर्ट को 6-2, 6-4 से शिकस्त दी। अमेरिका के फ्रांसिस तियाफोई ने वाइल्ड कार्ड धारक कार्लोस अल्कारेज को 6-4, 7-6 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया जबकि आस्ट्रेलिया के जोर्डन थॉम्पसन ने रिचर्ड गास्केट को 7-6, 4-6, 7-6 से शिकस्त दी। शीर्ष वरीय रफेल नडाल बुधवार को टूर्नामेंट में पदार्पण करेंगे।

ईपीएल के 6 क्लबों ने यूरोपियन सुपर लीग से हटने की पुष्टि की

लंदन (एजेंसी)।

इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) के छह क्लबों आर्सेनल, चेल्सी लिवरपूल, मैनचेस्टर सिटी, मैनचेस्टर यूनाइटेड और टॉटेनहम हॉटस्पर क्लबों ने प्रस्तावित 20 टीमों की यूरोपियन सुपर लीग से हटने की पुष्टि की है, जिसके बाद यूरोपियन सुपर लीग ने घोषणा की कि यह इस परियोजना को फिर से शुरू करने के लिए कदम उठाएगा। डीपीए की रिपोर्ट के अनुसार, सुपर लीग ने बुधवार को एक बयान में कहा कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए, हम परियोजना को फिर से शुरू करने के लिए सबसे उपयुक्त कदमों पर पुनर्विचार करेंगे। ईपीएल क्लबों के बड़े पैमाने पर हटने के बावजूद, सुपर लीग एक नई यूरोपीय प्रतियोगिता का प्रस्ताव करने के अपने उद्देश्य में अवहेलना करता रहा है और उसका मानना है कि मौजूदा प्रणाली काम नहीं करती है। बयान में कहा गया, हमारा उद्देश्य पूरे फुटबॉल पिरामिड के लिए संसाधनों और स्थिरता पैदा करते हुए खेल को विकसित करने की अनुमति देना है, जिसमें महामारी के परिणामस्वरूप पूरे फुटबॉल समुदाय द्वारा अनुभव की गई वित्तीय कठिनाइयों को दूर करने में मदद करना शामिल है। इंग्लैंड, स्पेन और इटली की कुल 12 शीर्ष यूरोपीय टीमों ने सोमवार को घोषणा की कि वे अपनी लीग बनना चाहते हैं। इसमें 15 स्थायी सदस्यों के साथ 20 टीमें शामिल थीं। इस बीच, मंगलवार रात को मैनचेस्टर सिटी ने पहली बार औपचारिक रूप से पुष्टि की कि वो इस लीग से हट रही है। अन्य पांच क्लबों-लिवरपूल एफसी, मैनचेस्टर यूनाइटेड, टोटेनहम हॉटस्पर, आर्सेनल एफसी और चेल्सी ने भी हटने की पुष्टि की। स्पेन में भी अटकलें हैं कि बार्सिलोना और एटलेटिको मैड्रिड इसी तरह के कदमों की योजना बना सकते हैं। प्रीमियर लीग के 14 क्लब यूरोपियन सुपर लीग में शामिल होने के इच्छुक नहीं है। लिवरपूल के मिडफील्डर जेम्स मिलनर यूरोपियन सुपर लीग बनाने के फैसले के खिलाफ हैं। उन्होंने जोर देकर कहा है कि खिलाड़ियों का अपने उस फैसले पर कोई नियंत्रण नहीं है जोकि फुटबॉल का चेहरा बदल सकता है।

हमारे गेंदबाजों ने अच्छा काम किया : वार्नर

चेन्नई (एजेंसी)

आईपीएल के 14वें सीजन के 14वें मुकाबले में बुधवार को पंजाब किंग्स को नौ विकेट से हराने के बाद सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान डेविड वार्नर ने इस जीत का श्रेय अपने गेंदबाजों को दिया है। पूर्व चैंपियन सनराइजर्स हैदराबाद ने बुधवार को यहां एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए आईपीएल के 14वें सीजन के 14वें मुकाबले में पंजाब किंग्स को नौ विकेट से हरा दिया। पंजाब किंग्स ने टॉस जीतकर धीमी पिच पर पहले बल्लेबाजी करते हुए 120 रनों का स्कोर बनाया, जिसे हैदराबाद ने 18.4 ओवर में एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। वॉर्नर ने मैच के बाद कहा, हमारे गेंदबाजों ने अच्छा काम किया, हम खुश हैं। हमारा गेम प्लान था था कि कोई एंकर करे पारी को। बेयरस्टो ने काफी अच्छे से रनिंग की, बल्लेबाजी के वक्त। उनका स्पिनरों के खिलाफ अच्छा खेल देखने को मिला। हैदराबाद की चार मैचों में सीजन की यह पहली जीत है। टीम के अब दो अंक हो गए हैं और वह तालिका में पांचवें नंबर पर पहुंच गई है। पंजाब किंग्स को चार मैचों में तीसरी झेलनी पड़ी है। टीम दो अंकों के साथ आठवें नंबर पर है। उन्होंने कहा, अभिषेक युवा है, हमने उससे इस सीजन में काफी गेंदबाजी करने को कहा है, उसने अच्छा किया। जब हम अंदर जा रहे थे तो उसे नहीं पता था कि वह पहला ओवर करेगा। मैं इस बारे में ज्यादा नहीं सोचना चाहता था। मैं बस नई शुरूआत चाहता था।

हॉकी प्रो लीग : भारत और ग्रेट ब्रिटेन के बीच होने वाले मैच स्थगित

नई दिल्ली। भारत और ग्रेट ब्रिटेन के बीच आठ और नौ मई को लंदन में होने वाले एफआईएच हॉकी प्रो लीग मुकाबलों को स्थगित कर दिया गया है। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने एक बयान में कहा कि ब्रिटेन सरकार ने भारत को यात्रा से संबंधित रेड लिस्ट में डाल दिया है जिसके बाद यह फैसला किया गया है। एफआईएच ने कहा, एफआईएच, हॉकी इंडिया और ग्रेट ब्रिटेन हॉकी स्थिति की नजर रख रहे हैं और उन्हें किसी अन्य तारीख पर इन मैचों के आयोजन की उम्मीद है। भारतीय टीम बाद में मई में स्पेन (15-16 मई) और जर्मनी (22-23 मई) के दौरे पर जाएगी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने हाल में एफआईएच प्रो लीग के मुकाबले में ओलंपिक चैंपियन अर्जेंटीना को हराया था।

हैदराबाद से हार पर बोले राहुल, गलती से सीखेंगे और वापसी करेंगे

चेन्नई (एजेंसी)।

आईपीएल के 14वें सीजन के 14वें मुकाबले में बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों हार के बाद पंजाब किंग्स के कप्तान लोकेश राहुल ने कहा है कि टीम इस हार से सबक लेकर अच्छी वापसी करेगी। पूर्व चैंपियन सनराइजर्स हैदराबाद ने बुधवार को यहां एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए आईपीएल के 14वें सीजन के 14वें मुकाबले में पंजाब किंग्स को नौ विकेट से हरा दिया। पंजाब किंग्स ने टॉस जीतकर धीमी पिच पर पहले बल्लेबाजी करते हुए 120 रनों का स्कोर बनाया, जिसे हैदराबाद ने 18.4 ओवर में एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। राहुल ने मैच के बाद कहा, यह स्वीकार करना मुश्किल है, लेकिन हम जानते थे कि इस मैच में क्या होगा। हम मैच की परिस्थितियों में जल्द ढलना चाहते थे, लेकिन हम 10 से 15 रन कम बना पाए। कुछ बल्लेबाज सेट हुए लेकिन 30 से 40 रन नहीं बना पाए, जिससे हमें मदद मिल पाती। उम्मीद है हम इस गलती से सीखेंगे। हमारा अगले कुछ दिनों में मुकाबला है। उम्मीद है हम जीतेंगे। हैदराबाद की चार मैचों में सीजन की यह पहली जीत है। टीम के अब दो अंक हो गए हैं और वह तालिका में पांचवें नंबर पर पहुंच गई है। पंजाब किंग्स को चार मैचों में तीसरी झेलनी पड़ी है। टीम दो अंकों के साथ आठवें नंबर पर है। उन्होंने कहा, हम जानत थे कि जॉनी और डेविड उनके अच्छे बल्लेबाज हैं। आप जानते हो कि वह तेजी से रन बनाएंगे। यह थोड़ा अच्छा होता अगर हम आक्रामक फील्डिंग लगाते। हम सोच रहे थे कि उनमें से एक को आउट करें तो अटैक करें, यह मेरी सोच थी। यह फर्क पैदा कर सकता था। अब से हर मैच हमारे लिए अहम है और हमेशा से ऐसी स्थिति में रहे हैं, जहां से हमें हर मैच जीतना जरूरी हो जाता है। सच में यह बुरी स्थिति नहीं है।

हिमाचल के सिस्सू में बनेगा देश का सबसे ऊंचा क्रिकेट स्टेडियम

शिमला। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय जिले लाहौल-स्पीति के सिस्सू में देश के सबसे ऊंचे क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा। इसके लिये पहली बाधा पार कर ली गई है। स्टेडियम के लिए स्थानीय पंचायत और राजस्व विभाग ने 38 बीघा जमीन की निशानदेही के बाद फाइल वन विभाग को भेज दी है। वन विभाग अब प्रदेश सरकार से आशयपत्र मिलने के इंतजार में है। स्टेडियम के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी है। लाहौल-स्पीति जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष सुरेंद्र ठाकुर ने बताया कि 7 वर्ष पूर्व सिस्सू में स्टेडियम निर्माण की कवायद शुरू हुई थी। कुल्लू जिले में रोहतांग स्थित अटल सुरंग के उत्तरी छोर से महज आठ किमी दूर 11000 हजार फीट की ऊंचाई पर प्रस्तावित यह क्रिकेट स्टेडियम देश में सबसे ऊंचा होगा। इसकी क्षमता 10 हजार दर्शकों की होगी। अभी सोलन के चायल में देश का सबसे ऊंचा क्रिकेट स्टेडियम है जो 7500 फुट की ऊंचाई पर स्थित है। इसका निर्माण वर्ष 1891 में पटियाला के महाराजा भूपेंद्र सिंह ने कराया था। उन्होंने कहा कि यह स्टेडियम चंदे के पैसे से तैयार होगा। वहीं, जिला खेल अधिकारी एवं केलांग के एसडीएम राजेश भंडारी ने बताया कि सिस्सू झील के निकट क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण के लिए 38 बीघा जमीन लाहौल-स्पीति जिला क्रिकेट संघ के लिए दी गई है। यह स्टेडियम राज्य के कैबिनेट मंत्री डॉ. रामलाल मारकंडा की प्राथमिकताओं में एक है। मंत्री के अनुसार सरकार से स्टेडियम के निर्माण के लिए जल्द आशयपत्र जारी करा कर भूमि अधिग्रहण की फाइल देहरादून भेजी जाएगी। उल्लेखनीय है कि बारिश और प्रचंड गर्मी के कारण अप्रैल से सितम्बर तक देश में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों का आयोजन नहीं हो पाता। इस दौरान लाहौल घाटी में तापमान 20 से 25 डिग्री रहता है और बारिश न के बराबर होती है। ऐसे में सिस्सू में यूरोपीय देशों की तर्ज पर क्रिकेट खेला जा सकता है।

वरुण धवन ने मासूम सी बच्ची के साथ किया ऐसा मजाक

कृति सैनन

नहीं कर पाई यकीन

बालीवुड एक्ट्रेस कृति सैनन (Kriti Sanon) और वरुण धवन (Varun Dhawan) आने वाली फिल्म 'भेड़िया' की शूटिंग में बिजी हैं. शूट के सेट से कई तस्वीरें और वीडियोज ये दोनों सोशल मीडिया पर शेयर करते रहते हैं. हाल ही में कृति और वरुण ने एक वीडियो शेयर किया, जिसे देख लोगों की हंसी नहीं रुक रही है.

कृति ने शेयर किया वीडियो

कृति सेनन (Kriti Sanon) ने जो वीडियो शेयर किया है उसमें वरुण धवन (Varun Dhawan) केक काटते नजर आ रहे हैं. वहीं बराबर में एक शख्स और खड़ा है, जिसने छोटी सी बच्ची को पकड़ा हुआ है. केक काटने के बाद वरुण आदमी को खिला देते हैं, जबकि छोटी बच्ची का मुंह खुला का खुला रह जाता है. वह बच्ची केक को देखती रह जाती है.

केक काटते नजर आए वरुण

इस वीडियो को कृति (Kriti Sanon Instagram) ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है. वीडियो शेयर कर उन्होंने कैप्शन में लिखा, इससे शायद आपका दिन बन जाए. हम सभी कभी न कभी उस बच्ची की जगह रह चुके हैं. नहीं रहे क्या ?' इतना ही नहीं, उन्होंने वरुण धवन को टैग करके लिखा कि उन्हें विश्वास नहीं हो रहा कि उन्होंने बच्ची के साथ ऐसा किया.

वायरल हुआ वीडियो

सोशल मीडिया पर यह मजेदार पोस्ट खूब वायरल हो रहा है. फैंस अलग-अलग कमेंट कर रहे है और दिल खोलकर वीडियो को पसंद कर रहे हैं. कृति के इस वीडियो को लाखों व्यूज मिल चुके हैं.

कंगना रनौत

ने दिल्ली के सीएम पर कसा तंज, बोलीं- रायता फैलाकर आई मोदी जी की याद

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत (Kangana Ranaut) सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी राय रखती हैं. कभी-कभार तो वो इसी माध्यम से लोगों को खरी-खोटी भी सुना देती हैं. इस बार कंगना के निशाने पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आए हैं.

दिल्ली सीएम पर साधा निशाना

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल (Arvind Kejriwal) ने प्रधानमंत्री मोदी को चिट्ठी लिखकर उनसे दिल्ली में ऑक्सीजन के बेड बढ़ाने की मांग की है और साथ ही ऑक्सीजन की सप्लाई बढ़ाने की अपील की है. जिस पर कंगना ने उन्हें खरी-खोटी सुना दी है. कंगना ने ट्वीट किया- बचाओ बचाओ बचाओ. मोदी जी बचाओ.

हमने जितना रायता फैलाना था फैला दिया है. अब आप इसे साफ करो. ये रहा रायता और ये आपकी दिल्ली, संभालो. हा हा, घुमा फिरा के बोलने से सिर्फ बात बदल सकती है उसका मतलब नहीं.

अरविंद केजरीवाल ने मांगी थी मदद

आपको बता दें, मुख्यमंत्रीअरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी (PM Narendra Modi) को चिट्ठी में लिखा, दिल्ली में कोरोना की स्थिति बेहद गंभीर है.

कोरोना बेड्स और ऑक्सीन की भारी कमी है. वहीं लगभग सभी ह्रष्ट बेड्स भर गए हैं. इसकी जानकारी हमनें केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन और गृह मंत्री अमित शाह को भी दी है. हमें आपकी मदद की जरुरत है. इसके अलावा भी केजरीवाल ने चिट्ठी में आगे डाटा बताया है.

कंगना की फिल्में

बात कंगना रनौत के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की करें तो अभिनेत्री के खाते में थलाइवी के साथ ही तेजस और धाकड़ भी शुमार है. याद दिला दें कि कंगना की फिल्म थलाइवी की रिलीज डेट कोविड की वजह से टल गई है. तीनों ही फिल्म से कंगना के लुक सोशल मीडिया पर सामने आ चुके हैं.

जाह्नवी कपूर ने दोस्त संग बोल्ड अंदाज में की मस्ती, वैकेशन Photos में दिखा अलग अंदाज

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर इन दिनों वैकेशन मूड में नजर आ रही हैं। वो मालदीव में शानदार वैकेशन मना रही हैं। वहीं इस दौरान वो सोशल मीडिया पर भी खूब एक्टिव बनी हुई हैं। जाह्नवी अपने फैंस के साथ बेहद शानदार वैकेशन फोटोज साझा करती दिखाई दे रही हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी दोस्त के साथ कुछ मस्ती भरी तस्वीरें शेयर की हैं। जिसमें वो बोल्ड अवतार में दिखाई दे रही हैं। जाह्नवी की ये लेटेस्ट फोटोज सोशल मीडिया पर खूब वायरल होती नजर आ रही हैं।

दिखा पॉनीटेल वाला लुक

जाह्नवी कपूर अपने दोस्तों के साथ वैकेशन पर निकली हैं। वहीं उन्होंने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर मालदीव वैकेशन से कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन फोटोज में वो अपनी एक दोस्त के साथ मस्ती करती और धूप सेंकती दिखाई दे रही हैं। लेटेस्ट फोटोज में जाह्नवी का बोल्ड अंदाज देखने को मिल रहा है। उन्होंने व्हाइट रंग का क्रॉप टॉप और हॉट पैंट्स पहन रखा है। इसके साथ उन्होंने अपने बालों को एक पॉनीटेल में बांधा हुआ है।

अलग अंदाज ने खींचा ध्यान

जाह्नवी अपनी वैकेशन के दौरान सोशल मीडिया पर लगातार तस्वीरें शेयर कर रही हैं। इससे पहले वो फैंस को सिल्वर स्विमसूट और फ्लॉरल बिकिनी फोटोज शेयर कर सरप्राइज दे चुकी हैं। वहीं अब उन्होंने अपनी दोस्त संग मस्ती की फोटो शेयर की है। इस वैकेशन फोटोज में जाह्नवी कपूर का अगल अंदाज देखने को मिल रहा है। उन्होंने बिकिनी में नहीं बल्कि क्रॉप टॉप में ट्रेंडी लुक फ्लॉन्ट किया है। जो फैंस को खूब पसंद आ रहा है। इसके अलावा उनकी मुस्कान भी फैंस का दिल जीत रही है।

दोस्तों संग फन टाइम

इससे पहले जाह्नवी ने अपने दोस्तों संग फन टाइम का एक वीडियो शेयर किया था। जिसमें वैकेशन पर आए उनके सभी दोस्त अजीबो-गरीब अंदाज में डांस करते नजर आ रहे थे। इस वीडियो में जाह्नवी स्वेटशर्ट में बेहद क्यूट दिखी थीं।

निक्की तंबोली के बोल्ड अंदाज पर फिदा हुए फैन्स, तारीफों की लग गई कतार

अभिनेत्री निक्की तंबोली (Nikki Tamboli) के फोटोज और वीडियोज को सोशल मीडिया यूजर्स काफी पसंद करते हैं। निक्की अक्सर अपने क्यूट अंदाज और बोल्ड अवतार से फैन्स का दिल जीत लेती हैं। ऐसे में एक बार फिर निक्की ने दो तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिनमें वो काफी हॉट दिख रही हैं।

वायरल हो रही फोटो

निक्की तंबोली ने ब्लैक ड्रेस में अपनी दो तस्वीरें शेयर कीं। शॉर्ट और ट्रांसलूसेंट होने के चलते निक्की फोटोज में काफी हॉट लगी रही हैं। निक्की के फोटोज पर करीब सवा 2 लाख लाइक्स आ चुके हैं। वहीं हजारों फैन्स अभी तक फोटोज पर कमेंट कर चुके हैं। निक्की ने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा- हैप्पी संडे।

ट्रोल भी हुई निक्की

एक ओर जहां निक्की की तस्वीरों को फैन्स काफी पसंद कर रहे हैं तो वहीं कुछ सोशल मीडिया यूजर्स उन्हें ट्रोल करने की भी कोशिश कर रहे हैं। ऐसे ही एक यूजर ने लिखा- तुम खूबसूरत हो, तुम्हें दिखावे की जरूरत नहीं। इसके अलावा भी कई सोशल मीडिया यूजर्स ने अलग अलग कमेंट्स किए हैं।

जान के साथ रिलेशन पर कही थी ये बात

याद दिला दें कि बिग बॉस 14 में निक्की और जान कुमार सानू की केमिस्ट्री को फैन्स ने काफी पसंद किया था। वहीं जब दोनों के रिलेशनशिप की खबरें उड़ीं तो निक्की ने साफ कर दिया कि वो और जान सिर्फ अच्छे दोस्त हैं। निक्की ने सिद्धार्थ कनन को दिए इंटरव्यू में कहा है था, 'जान और वह अच्छे दोस्त हैं। वह बहुत स्वीट है लेकिन वो मेरे टाइप का नहीं है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

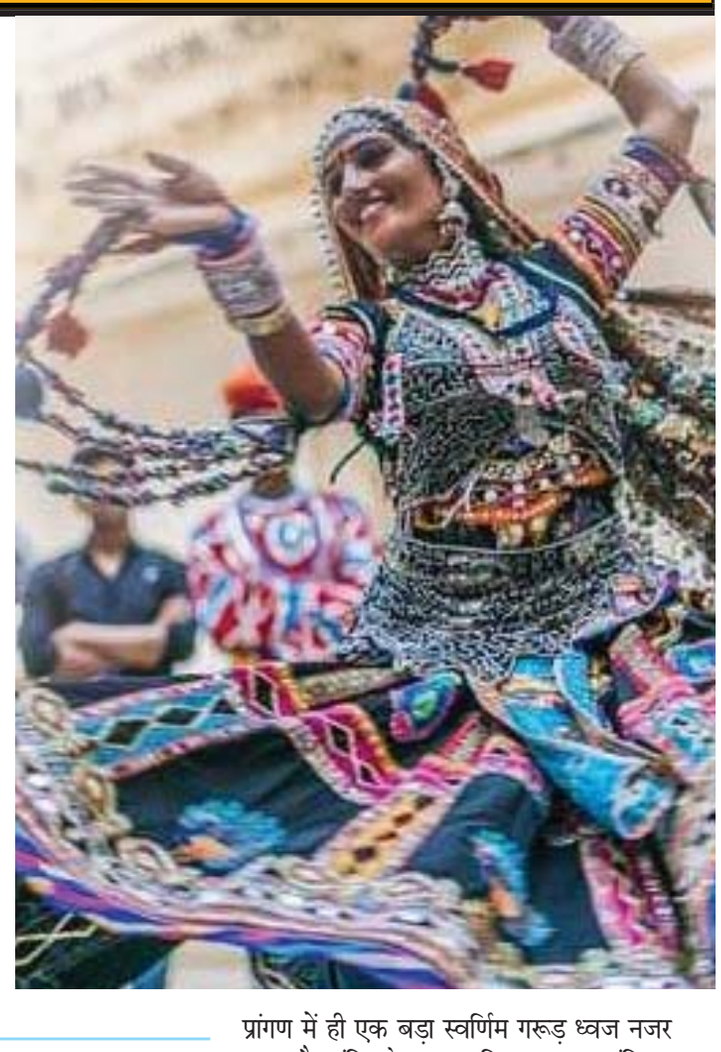

क्कर में सैलानी उठाते हैं मरुस्थल
ा लुत्फ, लज़ीज व्यंज़न और ोक नृत्यों का है संगम

जमेर जिला रेगिस्तानी जिलों में शामिल परन्तु अजमेर का पुष्कर चारों और से न की रेत से घिरा है। यहां जेसलमेर में जैसे आकर्षक रेतीले घोरें नहीं हैं परंतु यों को राजस्थान की ग्रामीण संस्कृति से बखूबी परिचित कराते हैं।

र में पर्यटकों के लिए कार्तिक पूर्णिमा पर व, अंतर्राष्ट्रीय हॉट एयर बैलून फेस्टिवल, न्दिर पर केबल राइड, वराह घाट पर पुष्कर ॉक क्लाइम्बिंग, रैपलिंग, क्वैड बाइकिंग, ंग, सनसेट के साथ केमल सफारी, पूरी रात फारी, केमल सफारी के साथ लक्ज़री नाईट मल कार्ट सफारी, जीप सफारी, हॉर्स ज़्प्लिनिंग मनोरंजन के प्रमुख आकर्षण हैं। गिस्तान के अनदेखे क्षेत्र के इन आकर्षणों लुत्फ उठा सकते हैं। जयपुर के पास देखने की इच्छा रखने वाले पर्यटकों के पुर से मात्र 150 किमी. एवं अजमेर से ।दूरी पर पुष्कर सर्वश्रेस्ठ विकल्प है। पूरे ारत एवं अन्य देशों के पर्यटक पुष्कर का देखने आते हैं और ग्रामीण केमल ाईट कैंपिंग,लजीज व्यंजन और लोक नृत्यों उठाते हैं।

र्ष यहां पर कार्तिक पूर्णिमा को पुष्कर मेला जिसमें बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक हैं। हजारों हिन्दु लोग इस मेले में आते हैं ने को पवित्र करने के लिए पुष्कर झील में ते हैं। भारत में किसी पौराणिक स्थल पर पर जिस संख्या में पर्यटक आते हैं, पुष्कर ाले पर्यटकों की संख्या उससे कहीं ज्यादा है। इनमें बडी संख्या विदेशी सैलानियों की है, जिन्हें पुष्कर खास तौर पर पसंद है। हर साल कार्तिक महीने में लगने वाले पुष्कर ऊंट मेले ने तो इस जगह को दुनिया भर में अलग ही पहचान दे दी है। मेले के समय पुष्कर में कई संस्कृतियों का मिलन देखने को मिलता है। एक तरफ तो मेला देखने के लिए विदेशी सैलानी बडी संख्या में पहुंचते हैं, तो दूसरी तरफ राजस्थान व आसपास के तमाम इलाकों से आदिवासी और ग्रामीण लोग अपने-अपने पशुओं के साथ मेले में शामिल होने आते हैं। मेला रेत के विशाल मैदान में लगाया जाता है। ढेर सारी कतार की कतार दुकानें, खाने-पीने के स्टाल, सर्कस, झूले और न जाने क्या-क्या। ऊंट मेला और रेगिस्तान की नजदीकी है इसलिए ऊंट तो हर तरफ देखने को मिलते ही हैं। वर्तमान में इसका स्वरूप विशाल पशु मेले का हो गया है।

मनोरंजन

दिलचस्प ऊंट सौंदर्य प्रतियोगिता , सजे-धजे ऊंट का नृत्य, मटकीफोड़, लम्बी मूंछें और दुल्हन की प्रतियोगिताएं पर्यटकों का खूब मनोरंजन करती हैं। रात्रि में लोक कलाकारों के सुर-ताल की जुगलबंदी और रंगबिरंगे नृत्यों से पर्यटक आनन्दित होते हैं। अनेक प्रदर्शनियां भी सजाई जाती हैं। परेड और दौड़ को हजारों देशी और विदेशी पर्यटक रुचिपूर्वक देखते हैं। स्मृतियों को संजोने के लिए पर्यटक हर तरफ फ़ोटो खीचते नज़र आते हैं। पर्यटकों के लिए पुष्कर में सरोवर एवं कई मन्दिर भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय हॉट एयर बैलून भी प्रबल आकर्षण बन गया है।

ब्रह्मा मन्दिर

पुष्कर सुरण्य नागा पहाड़ की गोद में रेतीले धरातल पर बसा है। पुष्कर का महात्म्य वेद, पुराण, महाकाव्य, साहित्य, शिलालेख एवं लोक कथाओं में वर्णित है। पुष्कर को मंदिरों के शहर के रूप में भी जाना जाता है। यहाँ लगभग 500 मंदिर बताए जाते हैं। ब्रह्माजी का मंदिर देश भर में अकेला प्रसिद्ध मन्दिर है। धरातल से करीब 50 फीट की ऊंचाई पर स्थित मन्दिर के प्रवेश द्वार के भीतरी भाग पर ब्रह्मा का वाहन राजहंस है। प्रमुख मंदिर के गर्भगृह में ब्रह्मा जी की बैठी हुई मुद्रा में प्रतिमा स्थापित है। चतुर्मुखी इस प्रतिमा के तीन मुख सामने से दिखाई देते हैं। प्रतिमा को करीब 800 वर्ष पुराना बताया जाता है। सैंकड़ों वर्षों से प्रतिमा का प्रतिदिन जलस्नान व पंचामृत अभिषेक किया जाता है। मंदिर के आंगन में ब्रिटिशकालीन एक-एक रूपये के सिक्के जड़े हैं। संगमरमर के कलात्मक स्तंभ मोह लेते हैं। मंदिर परिक्रमा मार्ग में सावित्री माता का मंदिर स्थापित किया गया है। परिसर में अन्य मन्दिर भी दर्शनीय हैं।

पुष्कर सरोवर

अर्धचन्द्राकार पवित्र पुष्कर सरोवर प्रमुख धार्मिक पर्यटक स्थल है। यहां 52 घाट बने हैं, जिन पर 700 से 800 वर्ष प्राचीन विभिन्न देवी-देवताओं के मंदिर बनाए गए हैं। देश के चार प्रमुख सरोवरों में माना जाने वाला पुष्कर सरोवर की धार्मिक आस्था का पता इसी बात से चलता है कि यहां स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। प्रातःकाल की वेला में जब सूर्योदय होता है तथा गोधूलि की वेला में जब सूर्यास्त होता है पुष्कर का दृष्य अत्यंत ही मनोरम होता है। इस दृष्य को देखने के लिए घाटों पर सैलानियों और श्रद्धालुओं का जमावड़ा देखा जा सकता है।

वराह मन्दिर

प्राचीनता की दृष्टि से करीब 900 वर्ष पुराना वराह मंदिर का निर्माण अजमेर के चैहान शासक अर्णीराज ने कराया था। पुष्कर सरोवर के वराह घाट के पास स्थित वराह चौंक से एक रास्ता बस्ती के भीतर इमली मोहल्ले तक जाता है, जहां यह विशाल मंदिर स्थापित है। करीब 30 फुट ऊंचा मंदिर, चौड़ी सीढ़ियां तथा किले जैसा प्रवेश द्वार आकर्षण का केन्द्र है। बताया जाता है कि कभी मंदिर का शिखर 125 फीट ऊंचा था, जिस पर सोन चराग (स्वर्ण दीप) जलता था, जो दिल्ली तक दिखाई देता था। मुख्य मंदिर में विष्णु के अवतार वराह भगवान की मूर्ति स्थापित है। मूर्ति के नीचे सप्त धातु से निर्मित करीब सवा मन वजन की लक्ष्मी-नारायण की प्रतिमा है। यहीं पर बून्दी के राजा द्वारा भेंट किया गया लोहे का सवा मनी भाला रखा गया है। जलझूलनी ग्यारस पर लक्ष्मी-नारायण की सवारी धूमधाम से निकाली जाती है। चैत्र माह में वराह नवमी के दिन भगवान का जन्मदिन मनाया जाता है। जन्माष्टमी व अन्नकूट के अवसर पर उत्सव आयोजित किए जाते हैं। मंदिर में विशेष कर चावल का प्रसाद चढ़ता है। वराह घाट पर संध्या आरती का दृश्य देखे ही बनता है।

श्री रमा वैकुण्ठ मंदिर

ब्रह्मा जी के मंदिर के बाद इस मंदिर का विशेष महत्व है, जिसे रंगा जी का मंदिर भी कहा जाता है। मंदिर करीब 20 बीघा भूमि पर बना है। मंदिर का प्रवेश द्वार आकर्षक एवं विशाल है। भीतर जाने पर सामने ही रमा वैकुण्ठ का मंदिर नजर आता है। मंदिर के ऊतंग गोपुरम पर 350 से अधिक देवताओं के चिन्ह बने हैं। यह गोपुरम दक्षिण भारतीय स्थापत्य कला शैली का अनुपम उदाहरण है। मंदिर के सामने प्रांगण में ही एक बड़ा स्वर्णिम गरूड़ ध्वज नजर आता है। मंदिर के पास अभिमुख गरूड़ मंदिर स्थापित है। मुख्य मंदिर के चारों तरफ पक्के दालान के बीच में तीन-चार फीट ऊंचे चैकोर बड़े संगमरमरी चबूतरे पर मंदिर स्थित है। मुख्य प्रतिमा व्यंकटेश भगवान विष्णु की काले पत्थरों की आभूषणों एवं वस्त्रों से सुसज्जित है। इसी को वैकुण्ठ नाथ की प्रतिमा कहा जाता है। मंदिर में ही श्रीदेवी, तिरूपति नाथ, भूदेवी, लक्ष्मी व नरसिंह की मूर्तियां भी हैं। परिक्रमा मार्ग में दोनों तरफ दीवारों पर आकर्षक रंगीन चित्र एवं संगमरमर के कलात्मक स्तंभ बने हैं। सम्पूर्ण परिक्रमा मार्ग अत्यंत लुभावना लगता है।

रंगनाथ वेणुगोपाल मंदिर

दक्षिण भारत स्थापत्य शैली पर आधारित भगवान रंगनाथ वेणुगोपाल का विशाल मंदिर वराह चौंक के पास स्थित है। मंदिर का निर्माण दक्षिण भारत के एक सेठ पूरनमल गनेरीवाल द्वारा 1844 ईस्वी में करवाया गया था। मंदिर का गोपुरम और कलश दूर से ही नजर आता है। विशाल द्वार से अंदर प्रवेश करने पर पक्का दालान और कमरे बने हैं। यहीं पर उतंग स्वर्णिम गरूड़ ध्वज है, जिसके पास गरूड़ का छोटा सा मंदिर है, जो भगवान वेणुगोपाल की तरफ मुख किए हुए है। दांयी ओर मुख्य मंदिर की सीढ़ियां जाती हैं। गर्भगृह में बंशी बजाते हुए भगवान वेणुगोपाल की श्याम वर्ण की लुभावनी प्रतिमा है। मंदिर मकराना के श्वेत पत्थर से निर्मित है, जिसके दोनों ओर जय-विजय द्वारपाल हैं। इसी मंदिर में रूकमणी, श्रीकृष्ण, भूदेवी, सत्यभामा की पंचधातु की प्रतिमाएं हैं। चैत्र माह में भगवान रंगनाथ का विवाह उत्सव मनाया जाता है।

अरावली पर्वत की घाटियों में बसा रणकपुर जैन मंदिर

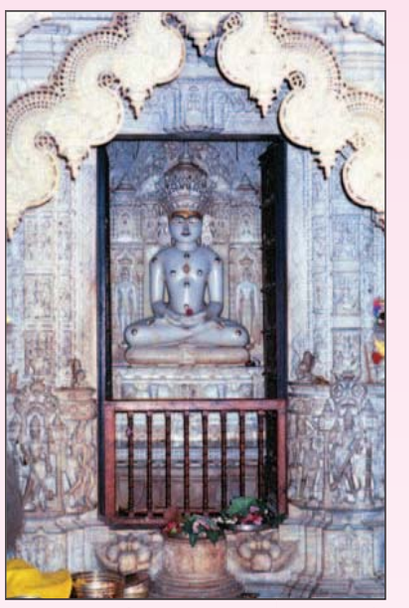

जस्थान में अरावली पर्वत की घाटियों के मध्य चारों ओर जंगलों से घिरे रणकपुर में ष्भदेव का चतुर्मुखी जैन मंदिर है। जंगलों ने के कारण इस मंदिर की भव्यता देखते है। भारत के जैन मंदिरों में संभवतः इसकी बसे भव्य एवं विशाल है। रणकपुर मंदिर से 96 किलोमीटर की दूरी पर है।

मंदिर की इमारत लगभग 40,000 में फैली है। आज से करीब 600 वर्ष पूर्व क्रम संवत में इस मंदिर का निर्माण कार्य ा था, जो 50 वर्षों से अधिक समय तक हा जाता है कि उस इसके निर्माण में करीब रुपए का खर्च आया मंदिर में 4 कलात्मक हैं। मंदिर के मुख्य गृह कर आदिनाथ की से बनी 4 विशाल करीब 72 इंच ऊंची ये अलग दिशाओं की ओर हैं। इसी कारण इसे मंदिर कहा जाता है। इसके अलावा मंदिर टे गुम्बदनुमा पवित्र स्थान, 4 बड़े प्रार्थना 4 बड़े पूजन स्थल हैं। ये मनुष्य को त्यु की 84 योनियों से मुक्ति प्राप्त कर करने के लिए प्रेरित करते हैं।

मंदिर की प्रमुख विशेषता इसके सैकड़ों नकी संख्या करीब 1,444 है। यहां आप फ भी नजर घुमाएंगे आपको छोटे-बड़े के खंभे दिखाई देते हैं, परंतु ये खंभे इस ाए गए हैं कि कहीं से भी देखने पर वेत्र स्थल में बाधा ती है। इन अतिसुंदर की गई ंभों की शेषता के ये सभी अनोखे और अलग-अलग कलाकृतियों से निर्मित हैं। मंदिर की छत पर की गई नक्काशी इसकी उत्कृष्टता का प्रतीक है।

मंदिर के निर्माताओं ने जहां कलात्मक दोमंजिला भवन का निर्माण किया है, वहीं भविष्य में किसी संकट का अनुमान लगाते हुए कई तहखाने भी बनाए गए हैं। इन तहखानों में पवित्र मूर्तियों को सुरक्षित रखा जा सकता है। ये तहखाने मंदिर के निर्माताओं की निर्माण संबंधी दूरदर्शिता का परिचय देते हैं।

विक्रम संवत 1953 में इस मंदिर के रखरखाव की जिम्मेदारी एक ट्रस्ट को दे दी गई थी। उसने मंदिर के पुनरुद्धार कार्य को कुशलतापूर्वक कर इसे एक नया रूप दिया। पत्थरों पर की गई नक्काशी इतनी भव्य है कि कई विख्यात शिल्पकार इसे विश्व के आश्चर्यों में से एक बताते हैं। हर वर्ष हजारों कलाप्रेमी इस मंदिर को देखने आते हैं। इसके अलावा यहां संगमरमर के टुकड़े पर भगवान ऋषभदेव के पदचिह्न भी हैं। ये भगवान ऋषभदेव तथा शत्रुंजय की शिक्षाओं की याद दिलाते हैं।

रणकपुर का निर्माण कैसे हुआ- इस मंदिर का निर्माण 4 श्रद्धालुओं- आचार्य श्यामसुंदरजी, धरन शाह, कुंभा राणा तथा देपा ने कराया था। आचार्य सोमसुंदर एक धार्मिक नेता थे जबकि कुंभा राणा मलगढ़ के राजा तथा धरन शाह उनके मंत्री थे। धरन शाह ने धार्मिक प्रवृत्तियों से प्रेरित होकर भगवान ऋषभदेव का मंदिर बनवाने का निर्णय लिया था।

कहा जाता है कि एक रात उन्हें स्वप्न में नलिनीगुल्मा विमान के दर्शन हुए, जो पवित्र विमानों में सर्वाधिक सुंदर माना जाता है। इसी विमान की तर्ज पर धरन शाह ने मंदिर बनवाने का निर्णय लिया। मंदिर निर्माण के लिए धरन शाह ने कई वास्तुकारों को आमंत्रित किया। इनके द्वारा प्रस्तुत कोई भी योजना उन्हें पसंद नहीं आई। अंततः मुंदारा से आए एक साधारण से वास्तुकार दीपक की योजना से वे संतुष्ट हो गए।

मंदिर निर्माण के लिए धरन शाह को मलगढ़ नरेश कुंभा राणा ने जमीन दी। उन्होंने मंदिर के समीप एक नगर बसाने का भी सुझाव दिया। मंदिर के समीप मदगी नामक गांव को इसके लिए चुना गया तथा मंदिर एवं नगर का निर्माण साथ ही प्रारंभ हुआ। राजा कुंभा राणा के नाम पर इसे रणपुर कहा गया, जो बाद में रणकपुर के नाम से प्रसिद्ध हुआ। आज का रणकपुर पुरानी विरासत और इसे सहेजकर रखने वालों के बारे में भी संदेश देता है जिनके कारण रणकपुर मात्र एक विचार से वास्तविकता में बदल सका।

वैसे भी राजस्थान अपने भव्य स्मारकों तथा भवनों के लिए प्रसिद्ध है। राजस्थान में स्थित रणकपुर मंदिर जैन धर्म के 5 प्रमुख तीर्थस्थरलों में से एक है। यह मंदिर खूबसूरती से तराशे गए प्राचीन जैन मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर परिसर के आसपास ही नेमीनाथ और पार्श्वनाथ को समर्पित 2 मंदिर हैं, जो हमें खजुराहो की याद दिलाते हैं। यहां निर्मित सूर्य मंदिर की दीवारों पर योद्धाओं और घोड़ों के चित्र उकेरे गए हैं, जो अपने आप में एक उत्कृष्ट उदाहरण के समान है। यहां से लगभग 1 किलोमीटर दूरी पर माता अम्बा का मंदिर भी है।

कैसे पहुंचें:-

सड़क मार्ग:- उदयपुर देश के प्रमुख शहरों से सड़कों के जरिए जुड़ा हुआ है। उदयपुर से यहां के लिए प्राइवेट बसें तथा टैक्सियां उपलब्ध रहती हैं। आप यहां अपने निजी वाहन से भी जा सकते हैं।

रेलवे:- यहां पहुंचने के लिए निकटतम रेलवे स्टे शन उदयपुर ही है, साथ ही रणकपुर के लिए सभी प्रमुख शहरों से रेलगाड़ियां उपलब्धे हैं।

वायु मार्गः- रणकपुर पहुंचने के लिए नजदीकी हवाई अड्डा उदयपुर है। दिल्लीं, मुंबई से यहां के लिए नियमित उड़ानें हैं।

आसपास के क्षेत्रों में पावापुरी सिरोही, संघवी भेरूतारक तीर्थ धाम, माउंट आबू, दिलवाड़ा का विख्यात जैन मंदिर भी हैं, जहां आसानी से पहुंचा जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

परमाणु अपशिष्ट जल को समुद्र में डालने का प्रभाव अप्रत्याशित

बीजिंग (एजेंसी)।

चीनी विदेश मंत्री के सहायक वू च्यांगहाओ ने हाल में चीन स्थित जापानी राजदूत को बुलाकर गंभीरता से परमाणु अपशिष्ट जल को समुद्र में डालने का मामला उठाया। इससे पहले दक्षिण कोरिया ने भी देश में स्थित जापानी राजदूत को बुलाकर इस मामले पर कड़ा विरोध जताया। चीन और दक्षिण कोरिया के अलावा, रूस और यूरोपीय संघ, यहां तक कि जापान के लोगों ने भी परमाणु अपशिष्ट जल को समुद्र में डालने का विरोध किया।

लेकिन कुछ जापानी अधिकारियों ने कहा कि परमाणु अपशिष्ट जल पीने के बाद भी कोई समस्या नहीं होगी, तो वास्तव में यह सही है? जापानी मीडिया के अनुसार, जापान दो साल बाद लगातार 30 साल तक अपशिष्ट जल को समुद्र में डालेगा, जिसकी मात्रा 10 लाख टन से अधिक होगी। इतनी ज्यादा निकासी, इतने लंबे समय, इतना बड़ा पैमाना और इतना ऊंचा खतरा पहले से कभी नहीं आया। जापान स्थित अंतर्राष्ट्रीय एनजीओ हरित शांति संगठन के वरिष्ठ परमाणु ऊर्जा विशेषज्ञ शॉन बर्नी ने कहा कि टोक्यो इलेक्ट्रिक पावर कंपनी की एएलपीए तकनीक रेडियोधर्मी ट्रिटियम या कार्बन-14 को नहीं हटा सकती है। वहीं अन्य रेडियो आइसोटोप को भी पूरी तरह नहीं हटाया जा सकता है। ये पदार्थ लंबे समय से समुद्री खाद्य श्रृंखला में इकट्ठा होंगे और संभवतः खाद्य श्रृंखला के जरिए मानव जाति पर प्रभाव डालेंगे। परमाणु अपशिष्ट जल को समुद्र में डालने से प्रकृति पर क्या असर पड़ेगा, इसका अनुमान भी नहीं लगाया जा सकता। जर्मन समुद्री विज्ञान संस्थान का अनुमान है कि अपशिष्ट जल की निकासी से 57 दिनों में विकिरण रिसाव का फैलाव प्रशांत महासागर के अधिकांश क्षेत्रों तक जा पहुंचेगा। अमेरिका और कनाडा 3 साल के बाद प्रभावित होंगे। लेकिन यह बहुत बेहूदा बात है कि अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने जापान का आभार जताया। उन्होंने कहा कि फैसला करने में जापान सरकार ने पारदर्शी और खुला प्रयास किया। क्या अमेरिका सच में परमाणु प्रदूषण से नहीं डरता, ऐसा नहीं है। अमेरिकी खाद्य और औषधि प्रशासन (एफडीए) के ज्ञापन के अनुसार, विकिरण और परमाणु प्रदूषण से संबंधित सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या की वजह से एफडीए जापानी वस्तुओं पर निगरानी मजबूत करेगा। जापान में उत्पादित दूध, सीफूड, मांस, सब्जी और

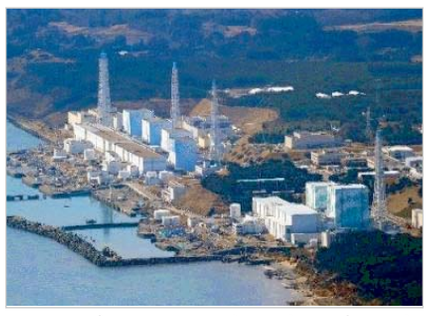

फल आदि उत्पादों को अमेरिका में पहुंचाने से रोका जाता है। अमेरिका एक तरफ जापान का समर्थन करता है, वहीं दूसरी तरफ जापानी उत्पादों पर पाबंदी लगाता है। यह दोहरे मापदंड की मिसाल ही है। बताया जाता है कि अमेरिका 22 और 23 अप्रैल को वैश्विक जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन का आयोजन करेगा। इसके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने चीन और रूस समेत 40 देशों के नेताओं को निमंत्रण भेजा है। शिखर सम्मेलन के आयोजन से पहले इतना गंभीर मामला आया, तब अमेरिका और जापान कैसे ऊर्जा किफायत और कम प्रदूषण निकासी को लेकर दूसरे देशों से मांग करेंगे? क्योंकि परमाणु अपशिष्ट जल को समुद्र में डालना सबसे भयानक प्रदूषण निकासी है।

अमेरिका ने भारत सहित 10 देशों को करेंसी मैनिपुलेटर्स की श्रेणी में डाला

नई दिल्ली । अमेरिका की तरफ से अपनी मुद्रा को निगरानी सूची में डाले जाने को लेकर भारत ने हैरानी जताई है। भारत का कहना है कि उसे करेंसी मैनिपुलेटर्स की श्रेणी में रखे जाने का तर्क समझ में नहीं आया है। भारत ने अमेरिका के वित्त विभाग की तरफ देश को मुद्रा व्यवहार में छेड़छाड़ करने वालों की मॉनिटरिंग लिस्ट में डालने के आधार को खारिज कर दिया है। भारत ने कहा कि विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में केंद्रीय बैंक की गतिविधियां संतुलित हैं और यह विदेशी मुद्रा भंडार का संग्रह नहीं कर रहा। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि करेंसी मैनिपुलेटर्स की श्रेणी में भारत को डाले जाने के अमेरिकी कदम में कोई तर्क नजर नहीं आ रहा है। अमेरिका ने भारत सहित जिन दस देशों को इस सूची में डाला है। वे सभी इसके बड़े व्यापारिक साझेदार हैं। इस निगरानी सूची में भारत, चीन, ताइवान के अलावा जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, इटली, सिंगापुर, थाइलैंड और मलेशिया शामिल हैं। अमेरिका ने वियतनाम और स्विट्जरलैंड को पहले ही करेंसी मैनिपुलेटर्स की श्रेणी में रखा है। भारत के वाणिज्य सचिव अनूप वाधवान ने पत्रकारों से कहा इसके पीछे का कोई तर्क मुझे नहीं समझ में आ रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक एक ऐसी नीति का पालन कर रहा है, जो बाजार की ताकतों के आधार पर मुद्रा के आदान-प्रदान की अनुमति देता है। पिछले सप्ताह अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने भारत सहित 10 अन्य देशों को करेंसी मैनिपुलेटर्स की श्रेणी में डाल दिया। अमेरिका ने वियतनाम और स्विट्जरलैंड को पहले से ही करेंसी मैनिपुलेटर्स की श्रेणी में रखा है।

महामारी के तहत अंतर्राष्ट्रीय आपसी विश्वास स्थापित करने की जरूरत : डब्ल्यूटीओ महानिदेशक

बीजिंग (एजेंसी)।

विश्व व्यापार संगठन की महानिदेशक नगोजी ओकोन्जो इवेला ने 19 अप्रैल को बोआओ एशिया मंच में कहा कि कोविड-19 महामारी ने वैश्विक व्यापार की आपूर्ति श्रृंखला को नई चुनौतियां दी हैं। महामारी के दौरान चिकित्सा सामग्री पर निर्यात प्रतिबंध लगाने की समस्या बहुत गंभीर है। इसके अलावा, व्यापारिक प्रतिबंधों के साथ-साथ टीके के उत्पादन की अत्यधिक केंद्रित होने की समस्या भी है, जिसने न केवल वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित किया, बल्कि वैक्सीन की संसारव्यापी समस्या भी उत्पन्न की।

इस साल 25 फरवरी को नगोजी ओकोन्जो इवेला को औपचारिक रूप से विश्व व्यापार संगठन की महानिदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है। वे डब्ल्यूटीओ की स्थापना के बाद पहली महिला महानिदेशक बनी और अफ्रीका से पहली महानिदेशक भी है। उन्होंने कहा कि महामारी से यह स्पष्ट है कि यदि वैश्विक सार्वजनिक उत्पाद में कोई समस्या पैदा हुई, तो कोई भी देश अकेले इसे हल नहीं कर सकता है। इसलिए हमें सहयोग करते हुए अंतर्राष्ट्रीय आपसी विश्वास स्थापित करने और बहुपक्षवाद व बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली को मजबूत करने की आवश्यकता है।

ईरान के 3 दिवसीय दौरे पर जाएंगे पाकिस्तान के विदेश मंत्री कुरैशी

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तानी विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा के लिए मंगलवार से ईरान की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर जाने वाले हैं। इस्लामाबाद के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, कुरैशी विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और गहरा करने को लेकर द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा करने के लिए अपने ईरानी समकक्ष के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगे। बयान में कहा गया है कि दोनों पक्षों की ओर से अफगान शांति प्रक्रिया और कश्मीर मुद्दे के नवीनतम घटनाक्रम सहित क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा की जाने की उम्मीद है। इस दौरान आर्थिक सहयोग संगठन के तहत क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। बयान के अनुसार, यात्रा के दौरान कुरैशी ईरानी राष्ट्रपति हसन रूहानी और संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बकर कलिबफ से भी मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, उनकी ईरान यात्रा दोनों देशों के बीच नियमित उच्च स्तरीय आदान-प्रदान का हिस्सा है।

ब्रिटेन में टीकाकरण के बाद मौतों की दर 70 फीसदी घटी, जून तक लॉकडाउन हटाने की योजना

लंदन। कोरोना की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे टीकाकरण अभियान ने दुनिया में असर दिखाना शुरू कर दिया है। इसका ताजा उदाहरण ब्रिटेन में देखने को मिला है। 7 सितंबर को वहां केवल 3 लोगों की मौत हुई थी, लेकिन समय के साथ मौतों का आंकड़ा बढ़ता गया। पर टीकाकरण शुरू होने के बाद अब वहां महामारी से सिर्फ 4 मौतें दर्ज हुई हैं, इसके साथ ही कोरोना से मरने वालों की दर पिछले सोमवार के मुकाबले 70 फीसदी घट गई है। इसके साथ ही ब्रिटेन में नए कोरोना मरीजों की रफ्तार भी करीब 17 फीसदी कम हो गई है। पिछले सप्ताह वहां 3568 मरीज मिले थे, लेकिन बीते 24 घंटों में 2963 केस मिले हैं। टीकाकरण से उत्साहित ब्रिटेन अब अपने नागरिकों के लिए इस साल बूस्टर डोज लगाने की तैयारी में है। बूस्टर डोज से कोरोना के किसी भी वेरियंट से लड़ने में मदद मिलेगी। स्वास्थ्य मंत्री मैट हैनकॉक ने बताया कि हमें किसी भी हाल में जून तक लॉकडाउन से पूरी तरह बाहर निकलना है, इसलिए जुलाई के अंत तक देश में सभी वयस्कों को टीके की पहली डोज लगा दी जाएगी। 50 साल से ऊपर के सभी लोगों को देश में टीके लगाए जा चुके हैं उन्होंने कहा कि अब हम 17 मई तक किसी भी हाल में इंडोर और आउटडोर गतिविधियां शुरू करना चाहते हैं। इसके साथ ही इंटरनेशनल ट्रैवल भी खोलने की तैयारी में हैं। दूसरी ओर, इजरायल भी टीकाकरण के बाद लॉकडाउन से आजाद हो गया है। वहां लोग एक बार फिर घर से चेहरे पर मास्क नहीं मुस्कुराहट लेकर निकलेंगे। दरअसल, इजरायल में 81 फीसदी लोगों का टीकाकरण हो गया है, इसलिए मास्क पहनकर निकलने की अनिवार्यता वहां खत्म हो गई है। मास्क हटाने का आदेश देने वाला इजरायल संभवतः दुनिया का पहला देश है। हालांकि, विदेशियों की एंट्री और बिना टीका लगवाए इजरायली लोगों का प्रवेश वहां सीमित है। उन्हें आते ही क्वारंटीन किया जा रहा है। अपनी ज्यादा से ज्यादा आबादी को वैक्सीन देने के मामले में भूटान केवल सेशेल्स से पीछे है, जो अपनी 67 फीसदी आबादी को वैक्सीन दे चुका है। सेशेल्स की आबादी करीब एक लाख है। करीब 2 करोड़ की आबादी वाला दक्षिण अमेरिका का देश चिली भी वैक्सीनेशन की दौड़ में विकसित देशों से आगे है। चिली में करीब 40 फीसदी आबादी को वैक्सीन की डोज दी जा चुकी है।

कोरोना संक्रमण बढ़ने की वजह से बांग्लादेश में 28 अप्रैल तक के लिए बढ़ा लॉकडाउन

ढाका । कोरोना के लगातार बढ़ रहे मामलों और मौत के आंकड़ों को देखते हुए बांग्लादेश ने एक और सप्ताह के लिए देशव्यापी लॉकडाउन बढ़ा दिया है। अब बांग्लादेश में 28 अप्रैल तक लॉकडाउन रहेगा। मीडिया रिपोर्ट में एक गजट नोटिफिकेशन का हवाला देते हुए कहा गया है कि प्रतिबंधों को सख्ती से लागू किया जाएगा। स्थानीय सरकार ने इस मुद्दे पर एक अंतर-मंत्रालयी बैठक की। इसमें लॉकडाउन को आगे बढ़ाने पर निर्णय लिया गया। राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समिति (एनटीएसी) ने मार्च के बाद से संक्रमण और मौत के आंकड़ों के आधार पर कम से कम दो सप्ताह के लिए लॉकडाउन का विस्तार करने की सिफारिश की थी। बांग्लादेश सरकार ने कठोर उपायों के साथ 14 अप्रैल को नए लॉकडाउन की घोषणा की थी। लॉकडाउन के विस्तार की घोषणा के दिन बांग्लादेश में 91 मौत और 4,559 नए मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही देश में कोरोना से मरने वालों की संख्या 10,588 हो गई है। वहीं, संक्रमण की कुल संख्या 727,780 हो गई।

महामारी डब्ल्यूटीओ के सुधार को बढ़ाने का अवसर है : फिक्की के महासचिव

बीजिंग। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री यानी फिक्की के महासचिव दिलीप चेनॉय ने 19 अप्रैल को वीडियो कॉन्फ्रेंस के रूप में बोआओ एशिया मंच में विश्व व्यापार संगठन के सुधारः दिशा और चुनौतियां शीर्षक बैठक में भाग लिया। उन्होंने कहा कि महामारी के तहत कोई भी देश चाहे विकसित हो या विकासशील परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। महामारी सही दिशा में डब्ल्यूटीओ के सुधार को बढ़ाने का अवसर बन गया है। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अफ्रीका जैसे क्षेत्रों का उचित व्यवहार किया जाता है। मुझे विश्वास है कि डब्ल्यूटीओ के सभी सदस्य इस सुधार की दिशा पर सहमत होंगे। हमें एकजुट होकर डब्ल्यूटीओ के सुधार को बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा, किसी भी आपदा में आपूर्ति श्रृंखला का टूटना सभी मानव जाति पर प्रभाव डालता है, जिस बात पर हमें ध्यान देने की जरूरत है। उन्हें लगता है कि डब्ल्यूटीओ और सदस्य देशों की जिम्मेदारियां बहुत महत्वपूर्ण हैं। हमें टीकों की वैश्विक उचित आपूर्ति को सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।

इस्लाम का गलत तरीके से इस्तेमाल करती हैं राजनीतिक और धार्मिक पार्टियां : इमरान

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने देश में राजनीतिक और धार्मिक दलों पर अपने निजी लाभ के लिए धर्म का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। इमरान ने कहा, हमारे देश में यह बहुत दुर्भाग्य की बात है कि कई बार हमारे राजनीतिक दल और धार्मिक दल इस्लाम का गलत तरीके से इस्तेमाल करते हैं और इसका इस्तेमाल ऐसे किया जाता है कि वे इससे अपने ही देश को नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा, इसलिए मैं दुखी हूं कि कई बार पवित्र पैगंबर और इस्लाम को लेकर इस प्रेम का दुरुपयोग किया जाता है। क्या सरकार को इस बारे में चिंता नहीं है? जब पवित्र पैगंबर के सम्मान का अपमान होता है तो क्या हमें पीड़ा नहीं होती है? प्रधानमंत्री इमरान खान का यह बयान ऐसे समय पर सामने आया है, जब हाल ही में प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के प्रदर्शनकारियों द्वारा भड़की हिंसा के बीच शहर पंगु बन गया है और स्थानीय लोगों और सुरक्षाकर्मियों के जीवन पर आफत आई है। टीएलपी की मुख्य मांग उनके नेता साद हुसैन रिजवी को रिहा करना है, जिन्हें सरकार के खिलाफ मार्च की घोषणा करने के बाद घंटों गिरफ्तार किया गया था। बता दें कि पिछले साल फ्रांस में हुए इस्लाम के कथित अपमान को लेकर टीएलपी समर्थकों ने फ्रांसीसी राजदूत को पाकिस्तान से निष्कासित करने के लिए दबाव बनाया हुआ है। इसने फ्रांस के साथ संबंधों को समाप्त करने की मांग की है।टीएलपी ने दावा किया है कि उसके कई प्रदर्शनकारियों को सुरक्षा बलों ने गोली मार दी थी। इसके बाद लाहौर के एक पुलिस स्टेशन पर हमले के बाद कम से कम 11 पुलिसकर्मियों को बंधक बना लिया गया था। अधिकारियों को बाद में सरकार से बातचीत के बाद छोड़ दिया गया। प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि पाकिस्तान में हिंसक विरोध प्रदर्शन से उस देश पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा, जहां कथित तौर पर ईश निंदा की गई है।

चीनी वैक्सीन की प्रगति इतनी तेज क्यों? जानिए, प्रामाणिक व्यक्ति की प्रतिक्रिया से

बीजिंग (एजेंसी)।

20 अप्रैल की दोपहर बोआओ एशिया मंच के 2021 वार्षिक सम्मेलन का कोरोना वैक्सीन की आपूर्ति और सुलभता शीर्षक सम्मेलन चीन के हाइनान प्रांत के बोआओ शहर में आयोजित हुआ। चीनी राज्य परिषद की संयुक्त रोकथाम व नियंत्रण तंत्र के वैज्ञानिक अनुसंधान समूह की वैक्सीन अनुसंधान व विकास टीम के प्रमुख चेंग चोंगवेइ ने मौके पर कहा कि अनुसंधान से उपयोग तक चीनी वैक्सीन की प्रगति बहुत तेज है, जिसके तीन मुख्य कारण हैं।

पहला, शीघ्र रणनीतिक निर्णय लेना। कोविड-19 महामारी के प्रकोप के बाद चीन सरकार ने जनता प्रथम, जान प्रथम, स्वास्थ्य प्रथम के सिद्धांत का पालन करते हुए बहुत तेजी से वैज्ञानिक अनुसंधान को तेज करने, निदान को मजबूत करने और चिकित्सीय दवाओं और टीकों के विकास में तेजी लाने का निर्णय लिया। दूसरा, व्यवस्था की श्रेष्ठता। वैक्सीन अनुसंधान व विकास टीम की स्थापना के बाद तेजी से देश भर में अपेक्षाकृत अच्छी नींव वाले वैज्ञानिक अनुसंधान ईकाइयों का चयन किया गया और वैज्ञानिक अनुसंधान को व्यापक रूप से बढ़ावा दिया गया। वैक्सीन का अनुसंधान मूल रूप से दुनिया के सभी तकनीकी मार्गों को कवर कर चुका है, जिसका केवल एक उद्देश्य है सफलता दर सुनिश्चित करना। तीसरा, संगठनात्मक प्रबंधन तंत्र का नवाचार करना। पारंपरिक श्रृंखला वर्क मॉडल को सामांतर में परिवर्तित कर दिया गया, और सभी लिंक को समन्वय करके टीके के अनुसंधान एवं विकास पर जोर दिया गया। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने उसी दिन बोआओ मंच के उद्घाटन समारोह में वीडियो भाषण में उल्लेख किया है कि टीके के अनुसंधान व विकास, उत्पादन और वितरण में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना और विकासशील देशों में टीकों की सुलभता बढ़ानी

चाहिए, ताकि सभी देशों के लोग सही मायने में टीकों का उपयोग कर सकें और संयुक्त रूप से मानव स्वास्थ्य समुदाय का निर्माण कर सकें। इसके संदर्भ में चेंग चोंगवेइ ने कहा कि चीनी वैक्सीन अभी 5 अरब खुराकों की उत्पादन क्षमता तक जा पहुंची है, जो वैश्विक महामारी-रोधी की जरूरतों और मानव साझे भाग्य के समुदाय की जरूरतों पर आधारित है। क्योंकि यदि हम केवल अपने बारे में सोचते हैं, और सभी मनुष्यों के बारे में नहीं, तो यह वायरस हमेशा पृथ्वी पर मौजूद रहेगा। कोरोना टीकों को वैश्विक सार्वजनिक उत्पाद के रूप में बनाने पर हमारा विचार है।

शी ने छिंगहुआ विश्वविद्यालय का दौरा किया

बीजिंग। छिंगहुआ विश्वविद्यालय की स्थापना की 110वीं वर्षगांठ से पहले चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने 19 अप्रैल को छिंगहुआ विश्वविद्यालय का दौरा किया। उन्होंने छिंगहुआ विश्वविद्यालय के अध्यापकों, छात्रों, कर्मचारियों और देसी-विदेशी स्कूलफेलो को उत्सव की बधाई दी और राष्ट्र के व्यापक युवा छात्रों का अभिवादन किया। शी चिनफिंग ने बल दिया कि सौ वर्ष की रणनीति में शिक्षा मूल है। उन्होंने कहा, हम जो विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय का निर्माण कर रहे हैं, वे चीनी विशेषता वाले समाजवाद का शिखर स्तरीय विश्वविद्यालय है। उच्चस्तरीय शिक्षा को देश की समृद्धि, राष्ट्र के पुनरुत्थान और जनता के सुख के लिए शक्ति का योगदान देना चाहिए। व्यापक युवाओं को ऐतिहासिक जिम्मेदारी निभाकर आगे बढ़ने का विश्वास मजबूत कर युग की नयी पीढ़ी वाले युवा बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिखर स्तरीय विश्वविद्यालय के निर्माण की कुंजी प्रतिभाओं की गुणवत्ता निरंतर उन्नत करना है। हमें मौलिक सृजन की क्षमता बढ़ानी और कुंजीभूत तकनीक के अनुसंधान में सफलता पाने की कोशिश करनी चाहिए।

सहस्राब्दी वन पृथ्वी पर एक नया हरित स्थान

बीजिंग (एजेंसी)।

22 अप्रैल को विश्व पृथ्वी दिवस है। यह वैश्विक पर्यावरण संरक्षण के लिए खासतौर पर स्थापित एक दिवस है, जिसका उद्देश्य मौजूदा पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में नागरिकों में जागरूकता बढ़ाना, पर्यावरण संरक्षण अभियान में नागरिकों का भाग लेना, हरित और कम कार्बन वाले जीवन के माध्यम से पृथ्वी के समग्र पर्यावरण में सुधार करना है। इधर के सालों में चीन पर्यावरण संरक्षण पर बड़ा महत्व देता है। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग कभी-कभार कहते हैं कि स्वच्छ जल और हरे-भरे पहाड़ अमूल्य संपत्ति हैं। उनका यह भी कहना है कि अपने नेत्रों की भांति ही पारिस्थितिक पर्यावरण की रक्षा की जाए, और जीवन की भांति ही पारिस्थितिक पर्यावरण के साथ व्यवहार किया जाए। उनका यह भी कहना है कि पारिस्थितिक और पर्यावरण संरक्षण एक महान कार्य है जो वर्तमान में अहम है और भविष्य में लाभ देगा। वर्तमान में हपेई प्रांत के श्योंगआन नव क्षेत्र का निर्माण जोरों पर है। 16 जनवरी, 2019 को चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने हपेई प्रांत के श्योंगआन नव क्षेत्र के निरीक्षण दौरे पर एक खास जगह की यात्रा की, जहां विशाल भूमि में वन रोपण किया जा रहा है, इसे सहस्राब्दी वन कहा जाता है। श्योंगआन नव क्षेत्र की स्थापना साल 2017 में हुई, जो राष्ट्रपति शी चिनफिंग से केंद्रित चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति द्वारा किया गया एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक रणनीतिक विकल्प है। अपनी स्थापना से लेकर अब तक चार सालों में श्योंगआन नव क्षेत्र में तीन गुनी रात चौगुनी परिवर्तन हो रहा है, खासकर पारिस्थितिक पर्यावरण के निर्माण क्षेत्र में। पहले वृक्ष रोपण किया जाए, फिर शहर का निर्माण। यह श्योंगआन नव क्षेत्र के निर्माण की एक नई अवधारणा है। इस तरह श्योंगआन नव क्षेत्र पारिस्थितिकी की प्राथमिकता देते हुए हरित विकास पर महत्व देता है। साल 2018 में पारित हपेई श्योंगआन नव क्षेत्र की परियोजना के अनुसार, नव शहर के निर्माण के दौरान श्योंगआन में नीले और हरित स्थानों का क्षेत्रफल 70 प्रतिशत होगा। अपनी स्थापना से लेकर अब तक पिछले चार सालों में श्योंगआन में 27 हजार हेक्टेयर के क्षेत्रफल में 2 करोड़ से अधिक वृक्षों का रोपण किया जा चुका है।

चीन-अमेरिका संघर्ष में भारत की भूमिका

बीजिंग (एजेंसी)।

हर कोई वर्तमान चीन-अमेरिका संघर्ष को बहुत स्पष्ट रूप से देखता है। दोनों देश कूटनीति, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, और रणनीति के सभी पहलुओं में भीषण प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। यहां तक कि दक्षिण चीन सागर और ताइवान के सवाल पर चीन और अमेरिका के बीच सैनिक मुठभेड़ होने का खतरा भी मौजूद है।

कुछ अंतर्राष्ट्रीय रणनीतिकारों ने अमेरिका और चीन को नई अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था पर समझ तक पहंचने का आह्वान किया। यानी चीन और अमेरिका को शांति बनाए रखने के लिए प्रतिस्पर्धा और सहयोग के क्षेत्रों के दायरे को निर्धारित करना चाहिए। 21वीं शताब्दी में चीन व अमेरिका के बीच फिर भी सहयोग करने की गुंजाइश है, जिससे दोनों पक्ष हितों का आदान-प्रदान कर सकते हैं। लेकिन अमेरिका की आधिपत्य स्थिति और चीन के ताइवान एकीकरण असंगत विरोधाभास हैं। ध्यान रहे कि जब चीन और अमेरिका ने आधी सदी पहले राजनयिक संबंध स्थापित किए थे, तब तो अमेरिका दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश था। इसके आधिपत्य के लिए एकमात्र खतरा सोवियत संघ का था और उस समय ताइवान के स्वाधीन होने की कोई संभावना भी नहीं थी। उस समय चीन और अमेरिका रणनीतिक हितों के आदान-प्रदान के माध्यम से उभय जीत प्राप्त कर सकते थे। हालांकि आज की स्थिति में पूर्ण रूप से बदलाव आया है। चीन के विकास से अमेरिका के आधिपत्य को चुनौती दी गई है। दूसरी ओर, ताइवान के साथ एकीकरण करना चीन का मुख्य हित है।

यह निर्विवाद है कि चीन-अमेरिका संघर्ष से भारत को अनुकूल स्थिति प्राप्त हुई है, क्योंकि चीन को अमेरिका का मुकाबला करने के लिए अपने प्रयासों को केंद्रित करना पड़ता है, जबकि अमेरिका भी हिंद-प्रशांत रणनीति के माध्यम से भारत को अपने शिविर में खींचना चाहता है। कुछ भारतीयों का मानना है कि भारत अमेरिका के सहारे सीमा मुद्दे पर चीन को रियायत देने में मजबूर कर सकता है। हालांकि, पिछले दो वर्षों में सीमा पर हुए टकराव से भारत और चीन दोनों पक्षों को कोई भी लाभ नहीं हुआ। इसके बजाय, दोनों देशों ने भारी कीमत चुकाई। उधर, अमेरिका केवल यही चाहता है कि भारत उसके चीन विरोधी मोर्चे में शामिल हो जाए। अपने हितों के मुद्दे पर अमेरिका हमेशा बहुत स्वार्थी रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हरियाणा में भाजपा को झटका किसानों के समर्थन में पवन बेनीवाल ने छोड़ी पार्टी

रोहतक । हरियाणा बीज विकास निगम के पूर्व चेयरमैन एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता पवन बेनीवाल ने अपने समर्थकों के साथ किसान आंदोलन के समर्थन में मंगलवार को पार्टी छोड़ने का ऐलान कर दिया। बेनीवाल ने सिरसा के शहीद भगत सिंह स्टेडियम में किसानों के धरना स्थल पर यह घोषणा की और कहा कि अब वह किसानों के साथ हैं। बेनीवाल करीब सात वर्ष पहले इंडियन नेशनल लोकदल छोड़कर भाजपा में आए थे। उन्हें ऐलनाबाद विधानसभा क्षेत्र से पार्टी का उम्मीदवार बनाया गया था, लेकिन वह हार गए। इसके बाद मनोहर लाल खट्टर सरकार में उन्हें हरियाणा बीज विकास निगम का चेयरमैन बनाया गया। वहीं गत विधानसभा चुनाव में एक बार फिर पार्टी ने उन पर विश्वास व्यक्त किया, लेकिन वह फिर चुनाव हार गए। बेनीवाल ने कहा कि वह गत दो वर्षों से पार्टी में घुटन महसूस कर रहे थे। ऐसी अटकलें हैं कि वह ऐलनाबाद उपचुनाव के दृष्टिगत कांग्रेस में शामिल होने की जुगत में हैं। हालांकि इस बारे में उन्होंने अभी तक कुछ नहीं कहा है। किसान धरनास्थल पर किसान नेता प्रहलाद सिंह ने बेनीवाल को सिरोंपा भेंट कर उनका स्वागत किया। अगर बेनीवाल को ऐलनाबाद से कोई पार्टी उम्मीदवार बनाती है तो जरूरी नहीं किसान संगठन उनका साथ दें क्योंकि संयुक्त किसान मोर्चा का फैसला ही अंतिम फैसला होगा।

हरियाणा ने दिल्ली पर लगाया ऑक्सीजन की लूट का आरोप

रोहतक। कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के बीच देशभर में ऑक्सीजन को लेकर भी हाहाकार मचा हुआ है। दिल्ली में ऑक्सीजनों की किल्लत के बीच आज यानी बुधवार को नई खेप पहुंची है। हालांकि, इस बीच हरियाणा ने दिल्ली पर ऑक्सीजन की लूट का आरोप लगाया है। हरियाणा के स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कहा हमारे ऑक्सीजन के एक टैंकर को दिल्ली सरकार ने लूट लिया। साथ ही उन्होंने कहा कि हम पहले अपनी जरूरत पूरी करेंगे तभी दूसरों को ऑक्सीजन सप्लाई करेंगे। मंत्री अनिल विज ने कहा, %हमें अपना ऑक्सीजन दिल्ली में देने के लिए मजबूर किया जा रहा है। पहले हम अपनी आवश्यकताओं को पूरा करेंगे, फिर दूसरों को देंगे। कल हमारे एक ओ-2 टैंकर (ऑक्सीजन टैंकर) को दिल्ली सरकार ने लूट लिया, जो फरीदाबाद जा रहा था। अब से मैंने सभी टैंकरों के लिए पुलिस सुरक्षा का आदेश दिया है। बता दें कि दिल्ली में ऑक्सीजन को लेकर मची हाहाकार उस वक्त शांत हुई, जब आज सुबह दिल्ली के कुछ बड़े सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों को ऑक्सीजन की नयी खेप मिली। अधिकारियों के मुताबिक, समय रहते ऑक्सीजन की आपूर्ति होने से बड़ा संकट टल गया। गंगाराम अस्पताल को निजी विक्रेताओं से तड़के तीन बजे से पहले 4,500 घन मीटर ऑक्सीजन की आपूर्ति हुई। अस्पताल को बाद में एक अन्य विक्रेता से 6,000 घन मीटर ऑक्सीजन की आपूर्ति हुई। यह भंडार बृहस्पतिवार सुबह नौ बजे तक चलने की संभावना है। अस्पताल में सभी 132 आईसीयू बेड पर मरीज हैं। गैर आईसीयू के 487 बेड में से सिर्फ तीन खाली हैं। गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया कि एक कंपनी से भेजा गया ऑक्सीजन का ट्रक देर रात करीब डेढ़ बजे उनके पास पहुंचा। लोकनायक जयप्रकाश नारायण (एलएनजेपी) अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ सुरेश कुमार ने कहा कि एक विक्रेता से भेजा गया ऑक्सीजन का ट्रक तड़के तीन बजे अस्पताल पहुंचा। एलएनजेपी और जीटीबी में 400-400 बेड हैं और सभी पर मरीज हैं। आंबेडकर अस्पताल को सुबह पांच बजे ऑक्सीजन की ताजा आपूर्ति हुई। अधिकारियों का कहना है कि यह आपूर्ति 24 घंटे तक चलेगी।

एनएसए डोभाल ने कुंभ मेले की तारीफ में नहीं लिखी कोई चिट्ठी

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के नाम पर एक चिट्ठी शेयर की जा रही है, जिसमें वह कोरोना महामारी के बीच हुए कुंभ मेले के लिए की गई तैयारियों की तारीफ कर रहे थे। चिट्ठी में कथित तौर पर एनएसए डोभाल ने कुंभ की तैयारियों के लिए उत्तराखंड सरकार और अधिकारियों की तारीफ की है। अब सरकारी अधिकारियों ने इस चिट्ठी को 'फर्जी' बताया है। सरकारी अधिकारियों ने बताया चिट्ठी फर्जी है। एनएसए ने ऐसी कोई चिट्ठी नहीं लिखी है। शेयर हो रही चिट्ठी उत्तराखंड के मुख्य सचिव को लिखी गई है। चिट्ठी में अजीत डोभाल कुंभ मेले में स्थिति को संभालने के लिए उनकी तारीफ कर रहे हैं। सभी एजेंसियों और सरकारी विभागों के साझा प्रयास से कुंभ मेले का सफलतापूर्वक आयोजन हुआ और इससे देश में एक धार्मिक माहौल बनेगा, एक अनुशासन पैदा होगा और भविष्य में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा को बढ़ावा देने का मौका मिलेगा। बता दें कि इस साल हरिद्वार में हुए कुंभ मेले की अवधि को कोरोना महामारी के मद्देनजर घटाकर 30 दिन किया गया था। देश में निश्चित अवधि में चार जगहों- नासिक, हरिद्वार, प्रयागराज और उज्जैन में कुंभ होता है। कुंभ करीब 4 महीने तक चलता है।

5 घंटे में ही भर गया डीआरडीओ सेंटर, बड़े अस्पताल हाई अलर्ट मोड में

नई दिल्ली। कोरोना के बढ़ते मामलों की वजह से डीआरडीओ का सेंटर 5 घंटे में ही हाउसफुल हो गया। यह सूचना मिलने के बाद केंद्र सरकार ने सीएसआईआर सहित अन्य वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थानों को मैदान में उतारा है। दिल्ली के एम्स, सफदरजंग और लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज को हाई अलर्ट पर रखा गया है। इन अस्पतालों में पड़ी खाली जगहों पर अस्थायी अस्पताल बनना शुरू हो चुका है। डीआरडीओ ने 500 बिस्तर की क्षमता युक्त अस्थायी अस्पताल बनाया था लेकिन दिल्ली की मांग इससे कहीं ज्यादा है। अगले 10 दिन दिल्ली के लिए सबसे अधिक चुनौतिपूर्ण हैं। अब सीएसआईआर ने सफदरजंग और लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में खाली पड़ी भूमि पर अस्थायी अस्पताल बनाना शुरू कर दिया है। इस काम में तकरीबन 5 से 6 दिन का वक्त लग सकता है। तंबू लगाकर बिस्तर, ऑक्सीजन और वेंटिलेटर बेड की व्यवस्था की जा रही है। वहीं स्वास्थ्य मंत्रालय ने गैर कोविड मरीजों को लेकर राजधानी के डॉक्टरों से अपील की है कि ज्यादा से ज्यादा मरीजों को टेलीमेडिसिन के जरिए उपचार किया जाए। इससे सबसे बड़ा फायदा संक्रमण के फैलाव को रोकने से होगा। साथ ही इस तरह स्वास्थ्य कर्मचारियों को भी सुरक्षित रखा जा सकता है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि तीन दिन पहले एम्स ने ट्रामा सेंटर में 70 से 80 बिस्तर बढ़ाने का फैसला लिया था। इसके अलावा झज्जर स्थित एम्स के कैंसर अस्पताल में भी 100 बिस्तर बढ़ा दिए हैं। उन्होंने कहा कि अगले कुछ दिन काफी गंभीर होने की वजह से वर्तमान बिस्तरों की संख्या पर्याप्त नहीं है।

टाटा ऑक्सीजन के लिए क्रायोजेनिक कंटेनरों का करेगा आयात

-ऑक्सीजन संकट के दौर में बढ़ाया मदद का हाथ, पीएम ने की तारीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश के सबसे बड़े औद्योगिक समूह टाटा ग्रुप ने कोरोना संकट की इस घड़ी में मदद का हाथ बढ़ाया है। टाटा ग्रुप लिक्विड ऑक्सीजन ले जाने के लिए 24 क्रायोजेनिक कंटेनरों का आयात करेगा। इतना ही नहीं, देश में ऑक्सीजन की कमी को दूर करने में मदद करेगा। टाटा ग्रुप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'टाटा समूह तरल ऑक्सीजन के परिवहन के लिए 24 क्रायोजेनिक कंटेनरों का आयात कर रहा है और देश में ऑक्सीजन की कमी को कम करने में मदद कर रहा है।' ऑक्सीजन संकट को कम करने के लिए चार्टर्ड उड़ानों के जरिए क्रायोजेनिक कंटेनरों का आयात किया जा रहा है। क्रायोजेनिक कंटेनर को लिक्विड सिलेंडर भी कहा जाता है। यह डबल वालेड वेक्यूम्स होता है जिसें एनुलर स्पेस में मल्टीलेयर इंसुलेशन होता है। इन्हें लिक्विफाइड गैस के ट्रांसपोर्टेशन और स्टोरेज के लिए खासतौर पर डिजाइन किया जाता है। इससे पहले भी टाटा ग्रुप ने कोरोना से लड़ने में मदद का हाथ बढ़ाया है। पिछले साल महामारी की पहली लहर के दौरान टाटा समूह ने वेंटिलेटर, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) किट, मास्क, दस्ताने और परीक्षण किट का इंतजाम किया था। कोरोना वायरस महामारी का मुकाबला करने के लिए समूह ने 1,500 करोड़ रुपये देने का वादा किया था। बता दें कि राजधानी दिल्ली समेत देश के कई राज्यों में ऑक्सीजन की कमी की खबरें आ रही हैं। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 295041 मामले आए हैं जो एक दिन में अब तक आए सबसे अधिक मामले हैं। इससे राजधानी दिल्ली समेत देश के कई राज्यों में ऑक्सीजन की भारी किल्लत हो गई है। राजधानी के कई अस्पतालों में तो केवल 3 घंटे का स्टॉक रह गया है। कुछ अस्पतालों में केवल एक दिन का स्टॉक रह गया है। मालूम हो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राष्ट्र के नाम संबोधन में ऑक्सीजन की कमी से सामूहिक रूप से निपटने के लिए दवा उद्योग सहित सभी हितधारकों का आह्वान किया था। साथ ही कहा कि ऑक्सीजन प्रॉडक्शन और सप्लाई को बढ़ाने के लिए भी कई स्तरों पर उपाय किए जा रहे हैं। इस बीच मोदी ने टाटा ग्रुप के इस कदम को स्वागत योग्य बताते हुए तारीफ की। उन्होंने साथ ही कहा कि मिलकर भारत के लोग कोरोना महामारी से लड़ेंगे।

कोरोना के कारण अब जापानी पीएम का भी भारत दौरा टला

नई दिल्ली । ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के बाद अब जापानी पीएम योशीहिदे सुगा ने भी अपना भारत दौरा रद्द कर दिया है। जापानी मीडिया की खबरों के मुताबिक, देश में बढ़ते कोरोना के मामलों की वजह से पीएम योशीहिदे सुगा ने अपना दौरा रद्द कर दिया है। भारत के अलावा उन्होंने अपना फिलीपींस का दौरा भी टाल दिया है। इससे पहले ब्रिटेन के पीएम बोरिस जॉनसन ने भी अपना भारत दौरा रद्द किया था। जॉनसन ने भारत में बढ़ते कोरोना के मामलों के मद्देनजर अपना एक दिवसीय भारत दौरा रद्द किया था। वह अगले सप्ताह ही भारत आने वाले थे, लेकिन कोरोना संकट के चलते दौरे को रद्द कर दिया गया। इससे पहले वह इस साल 26 जनवरी के आयोजन में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होने वाले थे, लेकिन अपना दौरा कैंसल कर दिया था। इस तरह लगातार दो बार बोरिस जॉनसन भारत आने का अपना प्लान कैंसल कर चुके हैं। ब्रिटिश विदेश मंत्रालय के मुताबिक कोरोना संकट के चलते अगले सप्ताह भारत के अपने दौरे को उन्होंने टाल दिया है। जापान में भी कोरोना वायरस एक बार फिर से तेजी पकड़ रहा है। चिंता की बात यह है कि यहां वायरस के अलग-अलग वेरिएंट्स पाए गए हैं। बीते रविवार को भी जापान में कोरोना के कुल 4 हजार नए मामले दर्ज किए गए थे।

भारत में कोरोना संक्रमण से भयभीत यूएस-यूके समेत कई देशों ने लगाया यात्रा प्रतिबंध

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

भारत में हुए कोरोना विस्फोट से पूरी दुनिया सावधान हो गई है। जिस तेजी से देश में कोरोना संक्रमित मरीजों का आंकड़ा बढ़ रहा है, उसे देखते हुए अमेरिका, ब्रिटेन से लेकर पाकिस्तान और हांगकांग जैसे देशों ने भारत पर ट्रैवल बैन लगा दिया है। इन देशों ने भारत में लगातार बढ़ रहे कोरोना वायरस संक्रमण को लेकर चिंता जताई है। महामारी के खतरे को देखते हुए इन देशों ने कुछ समय के लिए यात्रा प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है। हांगकांग सरकार ने रविवार की रात से ट्रैवल बैन लगा दिया है। इसके तहत भारत से आने वाले यात्रियों पर रोक लगा दी गई। इस संबंध में जारी किए गए आदेश में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि 14 दिन तक कोई भी फ्लाइट भारत से हांगकांग नहीं आएगी। 20 अप्रैल से हांगकांग सरकार की तरफ से इन पाबंदियों को लागू कर दिया गया है। यह कठोर फैसला तब लिया गया, जब मुंबई से हांगकांग पहुंचे कुछ यात्री कोविड पॉजिटिव निकले। इससे पहले भी कोरोना के बढ़ते केसों को देखते हुए हांगकांग की तरफ से भारत से आ रहीं फ्लाइट बंद की गई हैं। इस बार भी खतरे को देखते हुए यह आदेश जारी किया गया है। पड़ोसी देश पाकिस्तान ने भी भारत से आ रहे यात्रियों पर दो हफ्ते की रोक लगा दी है। पाक सरकार ने भारत को %सी% में श्रेणी में रखा गया है। पाकिस्तान के नेशनल कमांड एंड ऑपरेशन सेंटर ने अपने आदेश में कहा है कि दो हफ्तों के लिए हिंदुस्तान को %सी% श्रेणी में रखा जाएगा, वहां से आ रहे यात्रियों पर रोक लगी रहेगी, फिर चाहे वे फ्लाइट से आएं या फिर जमीनी मार्ग से। यूके भी भारत में बढ़ते कोरोना संक्रमण को देखते हुए चौकन्ना हो गया है। 23 अप्रैल से भारत से आ रहे यात्रियों को यूके जाने की अनुमति नहीं रहेगी। उन पर तमाम तरह की पाबंदियां लगा दी गई हैं। वहीं यूके के नागरिक जो भारत से अपने देश आना चाहते हैं, उन्हें भी अब 11 दिन के लिए किसी होटल में क्वारंटीन किया जाएगा। बिगड़ती परिस्थितियों को देखते हुए अमेरिका की बाइडेन सरकार भी एक्शन में आ गई है। सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल (सीडीसी) की तरफ से एक ट्रैवल एडवाइजरी जारी की गई है, जिसमें भारत को 'लेवल-4' में रखा गया और तमाम नागरिकों से अपील की गई है कि वे किसी भी सूरत में भारत की यात्रा नहीं करें। दलील दी गई है कि भारत में कोरोना की स्थिति भयावह हो चुकी है और वैक्सीन ले चुके यात्री भी कोरोना वायरस से सक्रंमित हो सकते हैं। एक समय खुद को कोरोना से मुक्त कर चुका न्यूजीलैंड भी भारत में चल रही दूसरी लहर से काफी डर गया है। चिंता इसलिए भी बढ़ी है, क्योंकि आठ अप्रैल को भारत से न्यूजीलैंड आए कई यात्री कोविड पॉजिटिव निकले थे। कुल 23 पॉजिटिव यात्रियों में से 17 के अंदर डबल म्यूटेंट वाला भारतीय वैरिएंट पाया गया था। इसे देखते हुए न्यूजीलैंड ने भारत से आ रहे यात्रियों पर ट्रैवल बैन लगाया है। भारत के लिए राहत की बात यह है कि अभी तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की तरफ से कोई यात्रा प्रतिबंध नहीं लगाया गया है, लेकिन एयरलाइन्स एयर इंडिया एक्सप्रेस की तरफ से यह जरूर कहा गया है कि दुबई जा रहे तमाम भारतीय नागरिकों को अब कोरोना निगेटिव रिपोर्ट दिखानी होगी। 48 घंटे पहले किए गए आरटी पीसीआर टेस्ट को ही मान्यता दी जाएगी। 22 अप्रैल से नया आदेश अमल में आ जाएगा। उल्लेखनीय है कि भारत ने कई देशों के साथ एयर बबल समझौता किया है, जिसके तहत कुछ अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को दूसरे देश तक संचालित किया जा सकता है, लेकिन लगातार बढ़ रहे कोरोना के मामलों ने इस समझौते को भी कमजोर कर दिया है।

सात दिन में 55 लाख से ज्यादा कोरोना केस, 80 हजार लोगों ने गवांई जान, 10 देशों में कोरोना की चौथी लहर

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

दुनिया में कोरोना मरीजों का आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है। पिछले 7 दिन के अंदर दुनिया में 55 लाख 23 हजार से ज्यादा लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। इस मामले में 12 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है। इस हफ्ते 80 हजार 323 मरीजों ने दम तोड़ दिया। मौत के मामले में 7 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। पिछले 24 घंटे के आंकड़ों के अनुसार इस दौरान 8 लाख 25 हजार लोग कोरोना से संक्रमित पाए गए हैं। सबसे ज्यादा भारत में 2.94 लाख, ब्राजील में 73 हजार, तुर्की में 61 हजार और अमेरिका में 60 हजार लोग कोरोना से संक्रमित पाए गए हैं। पूरी दुनिया में मंगलवार को 13 हजार 905 मरीजों की मौत हो गई। भारत कोरोना की दूसरी लहर से परेशान है, तो दुनिया के 10 देश ऐसे भी हैं, जहां संक्रमण की चौथी लहर चल रही है। इनमें ब्राजील, तुर्की, फ्रांस, अर्जेंटीना, ईरान, कोलंबिया, जमर्नी, इटली, पेरू और पोलैंड जैसे देश शामिल हैं। इन देशों में हर दिन 10 हजार से ज्यादा लोग संक्रमित हो रहे हैं। सबसे खराब हालत ब्राजील और तुर्की की है। कोरोना की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे टीकाकरण अभियान ने दुनिया में असर दिखाना शुरू कर दिया है। इसका ताजा उदाहरण ब्रिटेन में देखने को मिला है। 7 सितंबर को वहां 3 लोगों की मौत हुई थी, लेकिन मौतों का आंकड़ा धीरे-धीरे बढ़ता गया। पर टीकाकरण शुरू होने के बाद अब वहां महामारी से सिर्फ 4 मौतें दर्ज हुई हैं, इसके साथ ही कोरोना से मरने वालों की दर पिछले सोमवार के मुकाबले 70 फीसदी घट गई है। इसके अलावा ब्रिटेन में नए कोरोना मरीजों की रफ्तार भी करीब 17 फीसदी कम हुई है। पिछले हफ्ते वहां 3568 मरीज मिले थे, लेकिन बीते 24 घंटों में 2963 केस मिले हैं। टीकाकरण से उत्साहित ब्रिटेन अब अपने नागरिकों के लिए इस साल बूस्टर डोज लगाने की तैयारी में है। बूस्टर डोज से कोरोना के किसी भी वेरियंट से लड़ने में मदद मिलेगी। स्वास्थ्य मंत्री मैट हैनकॉक ने बताया कि हमें किसी भी हाल में जून तक लॉकडाउन से पूरी तरह बाहर निकलना है, इसलिए जुलाई के अंत तक देश में सभी वयस्कों को टीके की पहली डोज लगा दी जाएगी। 50 साल से ऊपर के सभी लोगों को देश में टीके लगाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि अब हम 17 मई तक किसी भी हाल में इंडोर और आउटडोर गतिविधियां शुरू करना चाहते हैं। इसके साथ ही इंटरनेशनल ट्रैवल भी खोलने की तैयारी है। अमेरिका में 18 साल के ऊपर 13 करोड़ लोगों को वैक्सीन की कम से कम एक डोज लगा दी गई है। रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के आंकड़ों के अनुसार देश में 18 साल से ऊपर के 13 करोड़ लोगों को एक टीका लग चुका है, जो व्यस्क आबादी का 50.4 फीसदी है। वहीं, 8.4 करोड़ लोगों को वैक्सीन के दोनों डोज लग चुके हैं। हालांकि अभी भी अमेरिका नए केस मिलने के मामले में टॉप पर है। अमेरिका में रोज करीब 80 हजार केस सामने आ रहे हैं। जबकि करीब 900 लोगों की रोज जान जा रही है। एक्सपर्ट इसके लिए कोरोना के नए वैरिएंट को जिम्मेदार मान रहे हैं। भूटान ने 27 मार्च के बाद से करीब 93 फीसदी वयस्क आबादी को टीका लगा दिया है। देश की 8 लाख आबादी में से 62फीसदी को टीका लग चुका है। भूटान पहला देश था, जिसे भारत ने वैक्सीन उपहार में दी थी। वैक्सीनेशन तेजी से करने के लिए टीके हेलीकॉप्टरों से दुर्गम इलाकों में पहुंचाए गए।

हरियाणा में नहीं लगेगा लॉकडाउन, पलायन न करें प्रवासी श्रमिकः सीएम खट्टर

रोहतक । देशभर में बेकाबू होती कोरोना महामारी के बीच हरियाणा में लॉकडाउन की अफवाहों पर विराम लगाते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा है कि राज्य में लॉकडाउन नहीं लगाया जाएगा। सीएम खट्टर ने 'हरियाणा की बात' कार्यक्रम के माध्यम से मंगलवार को टेलीविजन् पर सीधे प्रदेश की जनता को सम्बोधित करते हुए कहा कि कोरोना से बचाव के लिए सभी तरह के नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने श्रमिकों से अपील की कि वे निश्चिंत होकर अपने कार्य में लगे रहें, किसी प्रकार से घबराने की जरूरत नहीं है। उन्हें किसी प्रकार की कोई कठिनाई नहीं आने दी जाएगी। सरकार उनके साथ खड़ी है। सामना करना पड़ा था, लेकिन इस बार मजदूरों और कामगारों विशेषकर दैनिक और मासिक वेतन पर काम करने वालों के हितों को ध्यान में रखते हुए, हरियाणा में कोई लॉकडाउन नहीं लगाया जाएगा। उन्होंने राज्य के लोगों को आश्वासन दिया कि सरकार कोविड-19 मामलों में हो रही वृद्धि के कारण उत्पन्न किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार है। पर्याप्त चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने हाल ही में पानीपत में 500 से 1000 बेड वाले कोविड अस्पताल की स्थापना के लिए डीआरडीओ के अधिकारियों के साथ बातचीत की है। इस अस्पताल का उपयोग आपातकालीन स्थिति में किया जाएगा। सीएम खट्टर ने कहा कि प्रदेश एक बार फिर कठिन दौर से गुजर रहा है। कोरोना मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है, जो चिंताजनक है। गत डेढ़ माह में एक दिन में कोरोना के नए मामलों की संख्या लगभग 7000 तक पहुंच गई है। इससे निपटने के लिए स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय कोविड मॉनिटरिंग कमेटी का गठन किया गया है जो राज्य में कोविड की स्थिति पर निरंतर निगरानी रख रही है। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में ऑक्सीजन, आईसीयू बेड, वेंटिलेटर, मास्क और पीपीई किट आदि की पर्याप्त मात्रा है। अस्पतालों में अभी ऑक्सीजन की कोई कमी नहीं है। पानीपत के ऑक्सीजन प्लांट में लिक्विड ऑक्सीजन का उत्पादन हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी गेहूं की खरीद कोरोना के साए में हो रही है। इस बार भी प्रदेश सरकार की ओर से मंडियों और व खरीद केंद्रों में कोविड प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित किया जा रहा है।

दिल्ली के कई सरकारी और निजी अस्पतालों को मिली ऑक्सीजन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना महामारी के बीच ऑक्सीजन संकट से भी जूझ रहे दिल्ली के कुछ बड़े सरकारी और निजी अस्पतालों को बुधवार सुबह ऑक्सीजन की नई खेप मिल गई है। समय रहते ऑक्सीजन की आपूर्ति होने से बड़ा संकट टल गया। गंगाराम अस्पताल को निजी विक्रेताओं से तड़के तीन बजे से पहले 4,500 घन मीटर ऑक्सीजन की आपूर्ति हुई। एक अधिकारी ने बताया कि अस्पताल को बाद में एक अन्य विक्रेता से 6,000 घन मीटर ऑक्सीजन की आपूर्ति हुई। यह भंडार गुरुवार सुबह नौ बजे तक चलने की संभावना है। अस्पताल में सभी 132 आईसीयू बेड पर मरीज हैं। गैर आईसीयू के 487 बेड में से सिर्फ तीन खाली हैं।

गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया कि एक कंपनी से भेजा गया ऑक्सीजन का ट्रक देर रात करीब डेढ़ बजे उनके पास पहुंचा। लोक नायक जयप्रकाश नारायण (एलएनजेपी) अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. सुरेश कुमार ने कहा कि एक विक्रेता से भेजा गया ऑक्सीजन का ट्रक तड़के तीन बजे अस्पताल पहुंचा। एलएनजेपी और जीटीबी में 400-400 बेड हैं और सभी पर मरीज हैं। वहीं, अंबेडकर अस्पताल को सुबह पांच बजे ऑक्सीजन की ताजा आपूर्ति हुई। यह आपूर्ति 24 घंटे तक चलेगी। दिल्ली के अस्पतालों में आईसीयू बेड तेजी से भर रहे हैं। दिल्ली सरकार के कोरोना ऐप के अनुसार, राजधानी के सरकारी और निजी अस्पतालों में सिर्फ 28 बेड कोरोना वायरस के मरीजों के लिए उपलब्ध हैं।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को रात 10 बजकर 20 मिनट पर इमरजेंसी मैसेज भेजकर बताया था कि जीटीबी अस्पताल में ऑक्सीजन का भंडार चार घंटे से अधिक नहीं चल पाएगा। उन्होंने मंगलवार की रात ट्वीट किया, ''कोरोना वायरस से संक्रमित 500 से अधिक मरीज ऑक्सीजन पर हैं।

ऑक्सीजन के लिए तड़प रहे लोग और पीएम मोदी रैलियों में मार रहे ठहाके: प्रियंका गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कोरोना टेस्ट की संख्या बढ़ाने में असफल होने को लेकर केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि एक तरह जहां लोग ऑक्सीजन और अस्पतालों में बेड के लिए रो रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ सरकार चुनावी प्रचार में व्यस्त है, वे रैलियों में ठहाके लगा रहे हैं, मजाक कर रहे हैं। प्रियंका ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार का अपना सीरो सर्वे कहता है कि 5 करोड़ लोग कोरोना वायरस के संपर्क में आए हैं। इस सर्वे में टेस्ट बढ़ाए जाने का सुझाव दिया गया था लेकिन सरकार ने 70 प्रतिशत ऐंटीजेन टेस्ट करने शुरू कर दिए। उन्होंने कहा, '70 फीसदी ऐंटीजेन टेस्टिंग का मतलब है कि राज्य में सिर्फ 30 प्रतिशत लोगों की ही आरटी-पीसीआर जांच हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 23 अप्रैल को मुर्शीदाबाद, दक्षिण कोलकाता और मालदा में रैलियां होनी हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा ने देश में लगातार बढ़ते कोरोना के मामलों और स्वास्थ्य व्यवस्था की लचर हालत को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन उत्पादन में भारत दुनिया के सबसे बड़े देशों में से एक है तो फिर यहां इसकी कमी क्यों है? उन्होंने कहा कि सरकार के पास समय था लेकिन इसके बावजूद कुछ नहीं किया और सरकार चुनाव में व्यस्त है। प्रियंका गांधी ने कहा कि यह सरकार दुबई में आईएसआई से बात कर सकती है लेकिन विपक्ष से बात नहीं कर सकती। उनके सुझावों पर चर्चा नहीं कर सकती।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)